UGC NET - PHILOSOPHY

MOCK TEST PAPER

- **PAPER - I** *This paper contains 50 objective type questions. Each question carries 2 marks. Attempt all the questions.*
- **PAPER - II** *This paper contains 50 objective type questions. Each question carries 2 marks. Attempt all the questions.*
- **PAPER - III** *This paper contains 75 objective type questions. Each question carries 2 marks. Attempt all the questions. (According to the NEW PATTERN)*
- *Pattern of questions : MCQs*
- *Total marks (PAPER I & II) : 350*
- *Duration of test : Paper I & II - 2.5 Hours*
  : Paper III - 2.5 Hours

VPM CLASSES
For IIT-JAM, JNU, GATE, NET, NIMCET and Other Entrance Exams
1-C-8, Sheela Chowdhary Road, Talwandi, Kota (Raj.) Tel No. 0744-2429714
Web Site www.vpmclasses.com E-mail-vpmclasses@yahoo.com

PAPER – I

1. निम्नलिखित में से कौन–सा शोध का गुण नहीं है ?

   (A) शोध व्यवस्थित होती है।

   (B) शोध प्रक्रिया नहीं है।

   (C) शोध समस्या परक होती है।

   (D) शोध निष्क्रिय नहीं होती ळें

2. शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है :

   (A) केवल तर्क शक्ति का विकास

   (B) केवल चिन्तन का विकास

   (C) दोनों (A) और (B)

   (D) सूचना देना

3. निम्न में से कौन–सी पद्धति विज्ञान शिक्षण के लिए अधिक उपयोगी नहीं है ?

   (A) समस्या पद्धति

   (B) आगमन पद्धति

   (C) प्रयोगशाला पद्धति

   (D) प्रश्नोत्तर पद्धति

4. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है ?

   (A) आविष्कार अनुसन्धान होते है।

   (B) अनुसन्धान आविष्कार मुखी होते है।

   (C) आविष्कार और अनुसन्धान सम्बन्धित होते है।

   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. शिक्षण की गुणवत्ता प्रदर्शित होती है :

   (A) कक्षा में छात्रों की उपस्थिति से

VPM CLASSES

(B) छात्रों की उत्तीर्ण प्रतिशत से

(C) छात्रों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों की गुणवत्ता से

(D) कक्षा में शान्ति बनाए रखने की अवधि से

6. विचार विमर्श विधी का उपयोग किया जाता है जब–

(A) प्रकरण कठिन हो

(B) प्रकरण सामान्य हो

(C) प्रकरण सरल हो

(D) उपर्युक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है ?

(A) अनुसन्धान में उद्देश्यों को प्रश्न के रूप में लिपिबद्ध किया जा सकता है।

(B) अनुसन्धान में उद्देश्यों को कथन के रूप में लिपिबद्ध किया जा सकता है।

(C) उद्देश्यों को थीसिस के प्रथम अध्याय में ही वर्णित करना होता है।

(D) उपर्युक्त सभी

8. वर्तमान वार्षिक परीक्षा प्रणाली :

(A) रंटन विद्या को प्रोत्साहित करती है।

(B) अच्छे पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित नहीं करती है।

(C) छात्रों को कक्षा में नियमित आने के लिए प्रोत्साहित नही करती।

(D) उपर्युक्त सभी

9. प्रयोगात्मक अनुसंधानों में स्वतन्त्र विचलनों का दूसरा नाम है :

(A) ट्रीटमेन्ट विचलन

(B) प्रयोगात्मक विचलन

(C) मैनीपुलेटेड वैरिएबिल

(D) उपरोक्त सभी

10. एक महाविद्यालय अपने शोधार्थियों को सामाजिक विज्ञानों के लिए सांख्यिकीय पैकेज की प्रयोग विधि में प्रशिक्षित करना चाहता है। इसके लिए उसे आयोजित करना चाहिए :

(A) सम्मेलन

(B) संगोष्ठी

(C) कार्यशाला

(D) लेक्चर

11. इस उद्धरण का शीर्षक है :

(A) अमरीका न्यू डील नीति

(B) रोजगार नीति

(C) सुरक्षा नीति

(D) कार्यक्रम नीति

12. अमरीका एक देश था :

(A) समाजवादी

(B) पूंजीवादी

(C) साम्यवादी

(D) सुरक्षावादी

13. 1935 में रूजवेल्ट द्वारा पारित अधिनियम था :

(A) सामाजिक सुरक्षा

(B) रोजगार

(C) श्रम नीति

(D) शिक्षा

14. वृद्धा पेन्शन के लिए योग्य आयु क्या थी ?

(A) 60 वर्ष

(B) 65 वर्ष से अधिक

(C) 65 वर्ष से कम

(D) 60 वर्ष से कम

15. सामाजिक सुरक्षा अधिनियम का मुख्य उद्देश्य था :

(A) वृद्ध व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा

(B) विकलांगों को सामाजिक सुरक्षा

(C) बेरोजगारों को सामाजिक सुरक्षा

(D) उपर्युक्त सभी को सामाजिक सुरक्षा

16. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन परस्पर विरोधी है ?

1. अधिकतर कवि अहंकारी नहीं होते है।
2. अधिकतर कवि विनम्र होते है।
3. कुछ कवि अंहकारी होते है।
4. कुछ कवि निर–अहंकारी नहीं होते है।

निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट

(A) 1 और 4

(B) 2 और 3

(C) 1 और 3

(D) 3 और 4

17. किसी खास कोड MEADOW को BFNVNC लिखते है। इस कोड में CORNER कैसे लिखा जाएगा।

(A) DPSQDM

(B) SPDMDQ

(C) SPDQDM

(D) DPSMDQ

18. निम्नलिखित में से कौन–से तर्क करने के तरीके सही नहीं है ?

1. यदि घोड़े गाय हैं और यदि गायें भेड़े हैं, तो सभी घोड़ों को भेड़े होना चाहिए।

2. यदि टॉप के अभिनेता प्रसिद्ध हैं और शाहरूख खान प्रसिद्ध है, जो शाहरूख खान टॉप का अभिनेता है।

3. लता राजू की दूसरी बहन है, इसलिए राजू लता का दूसरा भाई है।

4. A B के बराबर नहीं है, किन्तु B, C के बराबर है, इसलिए A, C के बराबर हुआ।

कूट :

(A) 1, 2 और 3

(B) 1, 3 और 4

(C) 2, 3 और 4

(D) 1, 2 और 4

19. कौन–सी सैटेलाइट चैलन निम्नलिखित विज्ञान पंक्ति (Adline) का प्रयोग करती है। (Knowing is very thing) ?

(A) BBC वर्ल्ड

(B) स्टार

(C) सोनी

(D) जी

20. यदि A प्रयोग होता 5 के लिए B, 6 के लिए C, 7 के लिए D, 8 के लिए और इसी प्रकार आगे तो निम्नलिखित संख्याओं का क्या अर्थ होगा :

22, 25, 8, 22 और 5

(A) PRIYA

(B) NEEMA

(C) MEENA

(D) RUDRA

21. भारत में लम्बे समय तक प्रसारित होने वाला सबसे पुराना टी. वी. सीरियल (Oldest soap opera telecasted in India) निम्नलिखित में से कौन–सा है ?

(A) कहानी घर–घर की

(B) बुनियाद

(C) हम लोग

(D) सास भी कभी बहू थी

22. संख्याओं की श्रृंखला : $\frac{2}{3}, \frac{4}{7}, X, \frac{11}{21}, \frac{16}{31}$ मे छूटी हूई संख्या X क्या है ?

(A) $\frac{8}{13}$

(B) $\frac{6}{13}$

(C) $\frac{5}{13}$

(D) $\frac{7}{13}$

23. सूची-I (विशिष्ट महिलाएं) को सूची-II (कार्यक्षेत्र) से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची-I (विशिष्ट महिलाएं)		सूची-II (कार्यक्षेत्र)
(a)	झुंपा लाहिरी	1.	पत्रकार
(b)	बरखा दत्त	2.	उपन्यासकार
(c)	मीरा नायर	3.	फिल्म कलाकर
(d)	कोकणा सेन शर्मा	4.	फिल्म निर्देशक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	2	1	4	3
(C)	4	1	3	2
(D)	2	3	4	1

24. निम्नलिखित में से कौन–से कथन एक ही बात करते है ?

1. 'मै चतुर हूं' (राम द्वारा कहा गया)
2. 'मै चतुर हूं' (राजू द्वारा कहा गया)
3. 'मेरा बेटा चतुर है' (राम के पिता द्वारा कहा गया)
4. 'मेरा भाई चतुर है' (राम के बहिन द्वारा कहा गया)
5. 'मेरा भाई चतुर है' (राम की इकलौती बहिन द्वारा कहा गया)
6. 'मेरा इकलौता शत्रु चतुर है' (राम के इकलौते शत्रु द्वारा कहा गया)

निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 3, 4, 5

(B) 1 और 2

(C) 4 और 5

(D) 1 और 6

25. एक थैली में एक रूपए, 50 पैसे और 25 पैसे के सिक्को की संख्या बराबर है। यदि थैली में कुल 35 रूपए है, तो प्रत्येक प्रकार के सिक्कों की संख्या क्या है ?

(A) 15

(B) 18

(C) 20

(D) 25

26. टेलीविजन पर 'सर्वप्रथम भारत में बनाया गया' बच्चों का चैनल कौन–सा है ?

(A) कार्टून नेटवर्क

(B) वाल्ट डिजनी

(C) यूनाइटेड होम इण्टरटेनमेन्ट का हंगामा टीवी

(D) निक जूनियर

27. निम्नलिखित में से कौन–से कथन हमेशा सही होते है ?

1. एक लकड़ी की मेज, मेज है।

2. अब बारिश हो रही है या बारिश नहीं हो रही है।

3. सूर्य प्रतिदिन पूर्व में निकलता है।

4. मुर्गी का बच्चा मुर्गी के अण्डे से निकलता है।

कूट :

(A) 1 और 3

(B) 1, 3 और 4

(C) 1 और 2

(D) 2 और 3

28. निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन पूर्ण रूप से असम्भव है/हैं ?

1. कोई स्त्री अपने ही पोते को जन्म देते हुए।

2. कोई व्यक्ति अपने ही अन्तिम संस्कार में शामिल होते हुए।

3. किसी दिन सूर्य पूर्व में नहीं निकलते हुए।

4. कारें बिना पेट्रोल के चलती हुई।

कूट :

(A) 1 और 2

(B) 3 और 4

(C) 2

(D) 2 और 4

29. पहले सेट के अक्षरों में कोई सम्बन्ध है। इस सम्बन्ध के आधार पर दूसरे सेट के लिए सही विकल्प क्या है ?

BF : GK : LP : ?

(A) JK

VPM CLASSES

(B) QU

(C) VW

(D) RQ

30. निम्नलिखित में से कौन–सा जोड़ा बेमेल है ?

(A) आज तक–24 घण्टे का समाचार चैनल

(B) एफ. एम. स्टेशन–रेडियों

(C) राष्ट्रीय भूगोल चैनल–टेलीविजन

(D) वीर संघवी–इण्डिया टुडे

निर्देश– (प्रश्न 31 से 33 तक) इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए दिए गए ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए :

विगम वर्षो में दो राज्य की जनसंख्या (मिलियन में)

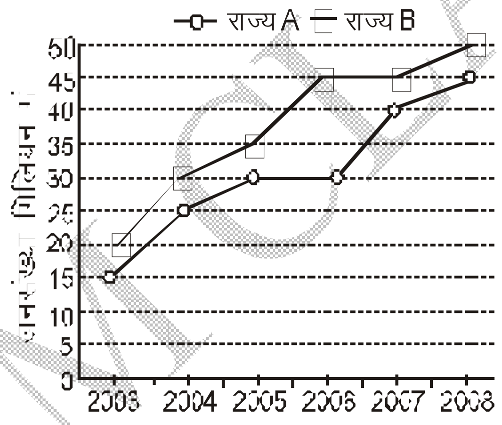

31. निम्नलिखित में से किस वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना मे, राज्य B के लिए जनसंख्या मे प्रतिशत वृद्धि सर्वाधिक थी?

(A) 2008

(B) 2007

(C) 2005

(D) 2004

32. सभी वर्षों के लिए मिलकर राज्य B की औसत जनसंख्या (मिलियन में) कितनी थी ?

(A) 38.5

(B) 28.5

(C) 30.8

(D) 37.5

33. पिछले वर्ष की तुलना में 2007 में राज्य B की जनसंख्या में औसत जनसंख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई थी ?

(A) 25

(B) $33\frac{1}{3}$

(C) 33

(D) $25\frac{1}{2}$

34. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है ?

(A) कम्प्यूटर केवल डिजिटल संकेतों को प्रोसेस करने में सक्षम है।

(B) कम्प्यूटर संख्यात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार के आंकड़ों का विश्लेषण करने में सक्षम है।

(C) आंकड़ो के प्रोसेसिंग के लिए उपयुक्त सॉफ्टवेयर की आवश्यकता है।

(D) कम्प्यूटर डिजिटल तथा अनालॉग (Analog) दोनों प्रकार के संकेतों को प्रोसेस करने में सक्षम है।

35. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सहीं है ?

(A) वायरस कम्प्यूटर के द्वारा सूचना के प्रोसेसिंग की गति को सुधारता है।

(B) इन्टरनेट वायरस को फैलने नहीं देता।

(C) वायरस सॉफ्टवेयर का ही हिस्सा होता है।

(D) वायरस एक ऑपरेटिंग पद्धति है।

VPM CLASSES

36. भारत में किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय अथवा क्षेत्रीय दल के रूप में किसके द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है?

(A) भारत के राष्ट्रपति

(B) भारत का निर्वाचन आयोग

(C) भारत के विधि आयोग के परामर्श से विधि मन्त्रालय

(D) राज्य विधानमण्डलों के परामर्श पर संघीय संसद

37. बेसिक शिक्षा या नई तालीम का दूसरा नाम है :

(A) अनिवार्य शिक्षा

(B) नई शिक्षा नीति

(C) वर्धा शिक्षा योजना

(D) सर्व शिक्षा अभियान

38. मरूस्थलीयकरण की प्रक्रिया मे सम्मिलित है :

(A) बालू का फैलाब

(B) मृदा में जैविक तत्वों का अभाव

(C) जलाभाव

(D) उक्त सभी

39. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना कब की गई है। ?

(A) वर्ष 1948 में

(B) वर्ष 1944 में

(C) वर्ष 1953 में

(D) वर्ष 1960 में

40. भारत में वनभूमियों को सर्वाधिक हानि किसके द्वारा पहुंचाई जाती है ?

(A) नदी घाटी परियोजना द्वारा

(B) उद्योगों द्वारा

(C) यातायात के साधनों के द्वारा

(D) कृषि द्वारा

41. आई.सी.टी. सम्बोधित करता है :

(A) इण्टरनेशनल कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी

(B) इन्टरा कोमन टरमीनोलॉजी

(C) इन्फोरमेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी

(D) इन्टर कनेक्टेड टरमिनल्स

42. सामान्य उद्देश्य के साफ्टवेयर के उदाहरण है:

(A) MS-Word

(B) MS-Excel

(C) फोटोशॉप

(D) सभी

43. निम्नलिखित सारणी में दो कक्षाओं A और B के विद्यार्थियों की संख्या और प्रत्येक कक्षा द्वारा अर्जित अंक दिए गए है:

	कक्षा A	कक्षा B
छात्रों की संख्या	20	80
अंकगणितीय औसत	10	20

दोनों कक्षाओं के अंकों का संयुक्त औसत है :

(A) 18

(B) 15

(C) 10

(D) 20

44. निम्नांकित में से कौन–सा संवैधानिक निकाय नहीं है :

(A) वित्त आयोग

(B) राजभाषा आयोग

VPM CLASSES

(C) योजना आयोग

(D) निर्वाचन आयोग

45. निम्नलिखित में से सही कथन कौन–सा है ?

(A) कम्प्यूटरों का प्रयोग किसी विद्यार्थी के सीखने में आ रही कठिनाई का निदान करने के लिए किया जा सकता है।

(B) कम्प्यूटर की सहायता से मनोवैज्ञानिक परीक्षण किया जा सकता है बशर्ते सॉफ्टवेयर उपलब्ध हो।

(C) निर्देशों के सेट को प्रोग्राम कहा जाता है।

(D) उपर्युक्त सभी

46. जाड़े के समय में ग्लोबल वार्निंग सबसे अधिक कहां होती है ?

(A) भूमध्य रेखा

(B) ध्रवों पर

(C) कर्क रेखा पर

(D) मकर रेखा पर

s47. विकासशील देशों में सरकार की भूमिका की वृद्धि के लिए कौन–सा/कौन–से कारक उत्तरदायी है/हैं

1. आर्थिक नियोजन

2. लोगों की बढ़ती हुई आकाक्षाएं

3. निजीकरण

4. कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का उदय

नीचे दिए गए कूट से उपयुक्त उत्तर चुनिए :

कूट :

(A) 1 और 2

(B) 1, 2 और 3

(C) केवल 3

(D) केवल 4

48. भारत में प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए मुद्रा और वित्त पर प्रतिवेदन (Report on Currency and Finance) किसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

(A) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया

(B) वित्त मन्त्रालय

(C) योजना आयोग

(D) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन

49. भारत में 'लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण' की विचारधारा का प्रचार किसके द्वारा किया गया ?

(A) ए. डी.गोरवाला कमेटी, 1951

(B) पॉल एच. एपलबी कमेटी, 1953

(C) बी. आर. मेहता, 1957

(D) अशोक मेहता कमेटी, 1978

50. 'मनुष्य–पर्यावरण अन्तर्क्रिया' के अध्ययन से सम्बन्धित मिस सेम्पल का यह कथन कि ''मनुष्य अपने पर्यावरण की ही एकमात्र उपज है।'' क्या है ?

(A) एक राय

(B) एक पूर्वाग्रह

(C) एक तथ्य

(D) व्यापक रूप से स्वीकार्य घटनाक्रम

PAPER – II

1. उपनिषदों के अनुसार देपयानगति का निम्न में से सही क्रम है–

(A) अग्नि–दिन–शुक्लपक्ष–उत्तरायण षड मास–संवत्सर–सूर्य–चन्द्रमा–बिजली

(B) अग्नि–दिन–सूर्य–चन्द्रमा–बिजली–संवत्सर

(C) दिन–अग्नि–सूर्य–संवत्सर–उत्तरायण षड़ मास

(D) बिजली–दिन–अग्नि–सूर्य–संवत्सर–चन्द्रमा–उत्तरायण षड मास

2. सृष्टि संबंधी विचार की दृष्टि से पुरूष सुक्त और नासदीय सूक्त महत्वपूर्ण हैं, ये निम्न में से किस वेद से लिए गए हैं–

(A) ऋग्वेद

(B) सामवेद

(C) यजुर्वेद

(D) अथर्ववेद

3. सूर्य-चन्द्र, रात-दिन के गमना-गमन का नियत्रंण निम्न में से किसके हाथ में होता है–

(A) देवताओं द्वारा

(B) ऋत द्वारा

(C) पूजा-पाठ द्वारा

(D) उपरोक्त सभी के द्वारा

4. 'सफल जीवन वही है जिसमें अधिक से अधिक सुखभोग होता है' उपरोक्त कथन निम्न में से किस दर्शन में लिये गए है–

(A) जैन दर्शन से

(B) अद्वैत वेदान्त से

(C) चार्वाक दर्शन से

(D) बौद्व दर्शन से

5. भारतीय दर्शन चार्वाक मत का ऋणी है, क्योंकि–

(A) धर्म व मोक्ष को स्वीकार न करने के कारण

(B) चार्वाकों के संशयवाद के कारण

VPM CLASSES

(C) सुखवाद के कारण

(D) वेदो में विश्वास न करने के कारण

6. जैनों के अनुसार प्रत्यक्ष ज्ञान की उत्पत्ति का सही कम है–

(A) अवग्रह–धारण–आवाय–ईध

(B) ईध–आवाय–धारण–अवग्रह

(C) ईध–अपग्रह–आवाय–धारण

(D) अवग्रह–ईध–आवाय–धारण

7. जैन दार्शनिकों के अनुसार मोक्ष मिलता है–

(A) सम्यक ज्ञान से

(B) सम्यक दर्शन से

(C) सम्यक चरित्र से

(D) उपरोक्त सभी से

8. मैत्री, करूणा, मुदिता और उपेक्षा का संबंध निम्न में से है–

(A) ब्रह्माण्ड से

(B) ब्रह्म विज्ञान से

(C) ब्रह्मविहार से

(D) ब्रह्म सूत्र से

9. निम्नलिखित में से कौनसा ज्ञान का कारण सौत्रांतिकों के अनुसार सत्य नहीं हैं–

(A) आलबंन

(B) समनंतर

(C) आधिपति

(D) अधिपति

10. न्याय-वैशेषिक परम्परा के अनुसार द्रव्य व गुणों का संबंध होता है–

(A) संकेत द्वारा

(B) अज्ञान द्वारा

(C) निर्णय द्वारा

(D) समवाय द्वारा

11. संज्ञा-संज्ञि संबंध को कहते हैं–

(A) उपमान

(B) उपलब्धि

(C) अनुपलब्धि

(D) अर्थापत्ति

12. नैयायिक निम्न में सें किस ग्रंथ को ईश्वर द्वारा प्रामाणिक मानते हैं ?

(A) न्याय भाष्य

(B) न्याय वार्तिक-तात्पर्य

(C) वेद

(D) न्याय-मंजरी

13. वैशेषिक दर्शन के अनुसार निम्न में से कर्म का प्रकार नहीं है–

(A) उत्क्षेपण

(B) अपक्षेपण

(C) आकुंचन

(D) सापेक्षण

14. कार्य की सत्ता उसकी उत्पत्ति के पूर्व कारण में रहती है, यह सिद्धान्त कहलाता है–

(A) सत्कार्यवाद

(B) असत्कार्यवाद

(C) कार्य सत्तावाद

(D) कारणतावाद

VPM CLASSES

15. सांख्य का ज्ञान विषयक सिद्धांत निम्न मत पर अवलंबित है–

(A) अद्वैतवाद पर

(B) द्वैतवाद पर

(C) शुद्धद्वैत पर

(D) विशिष्टाद्वैत पर

16. सांख्य दर्शन में 'अहंकार' है–

(A) पुरूष का विकार

(B) प्रकृति का विकार

(C) उपरोक्त दोनों का विकार

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

17. योग दर्शन के अनुसार निम्न में से कौनसी अवस्था चित्र-भूमि की नहीं है–

(A) क्षिप्त

(B) गूढ़

(C) मूढ़

(D) विक्षिप्त

18. योग दर्शन में 'सविचार' से तात्पर्य है–

(A) अच्छा विचार

(B) समाधि

(C) पोगासन का एक प्रकार

(D) उपरोक्त सभी

19. मीमांसकों के अनुसार वेदवाक्यों के प्रकार हैं–

(A) आधार वाक्य

(B) सिद्धार्थ वाक्य

(C) विधायक वाक्य

(D) उपरोक्त B व C

20. मीमांसकों को स्वीकार्य है–

(A) स्वतः प्रामाण्य

(B) परतः प्रामाव्य

(C) उपरोक्त दोनों

(D) उपरोक्त में से कोई नही

21. देवदत्त मोटा है। हॉलाकि उसे दिन में कुछ खाते कभी नहीं देखा गया है। अतः वह अवश्य रात्रि में खाता होगा–

उपरोक्त कथन उदाहरण है–

(A) प्रत्यक्ष का

(B) अनुमान का

(C) शब्द का

(D) अर्धापत्रि का

22. निम्न लिखित में से कौनसा सिद्धान्त मीमांसकों को स्वीकार्य है–

(A) ज्ञान स्वतः प्रकाश होता है

(B) ज्ञान स्वतः प्रकाश नहीं होता

(C) ज्ञान ईश्वर द्वारा प्रकाशित होता है

(D) ज्ञान वेदों द्वारा प्रकाशित होता ळे

23. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा शंकर के साधन चतुष्टय में से नहीं है–

(A) चार आर्य सत्य

(B) मुमुक्षुत्व

(C) नित्यानित्य वस्तुविवेक

(D) इहामुत्रार्थ योग विरोग

24. वेदांत सम्प्रदाय निम्न में से हैं–

(A) माध्वाचार्य सम्प्रदाय

(B) शंकराचार्य सम्प्रदाय

(C) बल्लभाचार्य सम्प्रदाय

(D) उपरोक्त सभी

25. ब्रह्म सूत्र को निम्न में से नहीं कहा जाता है–

(A) उत्तर मीमासां

(B) वेदांत सूत्र

(C) उपनिषद सूत्र

(D) शारीरिक मीमांसा

26. माया के बारे में शंकर के मतानुसार सत्य नहीं है–

(A) माया ईश्वर की शक्ति है

(B) माया ब्रह्म की शक्ति है

(C) ब्रह्म का नित्य स्वरूप

(D) माया प्रकृति है

27. शंकर के दर्शन में अध्यास से तात्पर्य है–

(A) जो वस्तु जहाँ है उसे वहाँ अल्पित करना

(B) एक भ्रम जो ब्रह्म को जगत समझने की त्रुटि करता है

(C) एक भ्रम जो ब्रह्म का जगत नहीं समझता है

(D) उपरोक्त सभी

28. काण्ट के अनुसार हमे चाहिऐ कि हम मानवता को समझे–

(A) सदैव केवल साध्य के रूप मे

(B) कभी कभी साध्य के रूप में

(C) सदैव केवल साधन के रूप मे

(D) कभी भी केवल साधन के रूप मे नही

29. निम्न मे से कौनसा एक कथन काण्ट के नितिशास्त्र से सम्बन्धित नही है ?

(A) तर्कबुद्धि मनुष्य के जीवन का नियामक तत्व है

(B) नैतिक नियम मनुष्य के लिऐ बने है, न कि मनुष्य नियम के लिऐ

(C) पूर्ण शुभ सद्गुण और सूत्र का परस्पर सामंजस्य है

(D) बुद्धिमानी का सद्गुण से कुछ लेना देना नही है

30. बर्फले के अनुसार–

(A) सत्ता अनुभव मूलक है

(B) सत्ता ज्ञान मूलक है

(C) सत्ता गुण मूलक है

(D) सत्ता संवेदन मूलक है

31. बर्कले ने किसके दर्शन को जडवाद, सन्देहवाद और अनीश्वरवाद के दोषों से युक्त बताया है ?

(A) लाइब्नीज का दर्शन

(B) स्पिनोजा का दर्शन

(C) लॉक का दर्शन

(D) हेगेल का दर्शन

32. ह्यूम ने किस सिद्धान्त का खण्डन किया है ?

(A) प्रत्ययवाद

(B) बुद्धिवाद

(C) यथार्थवाद

(D) वस्तुवाद

33. ''ईश्वर द्वारा पूर्व स्थापित सामंजस्य'' के नियम की स्थापना की–

(A) जॉन लाक ने

(B) लाइब्नीज ने

(C) जार्ज बर्कले ने

(D) काण्ट ने

34. ''कोई ज्ञान जन्मजात नही है।'' उक्त कथन किसने कहा है ?

(A) हैगेल

(B) मूर

(C) रसेल

(D) जॉन लॉक

35. जॉन लॉक के अनुसार स्मृति, विश्वास संकल्प आदि है–

(A) जो एक इन्दिय के संवेदन द्वारा से आत्मा मे प्रवेश करे

(B) जो एक से अधिक ज्ञानेन्द्रियों के संवेदन द्वार से आत्मा में प्रवेश करे

(C) जो अन्त करण के स्वसंवेदन द्वार से आत्मा मे प्रवेश कर

(D) जब ब्राह्य इन्द्रियो के संवेदन और अंतः करण के स्वसंवेदन दोनों द्वारो से प्रवेश करे

36. डेकार्ट ने तत्व को किन प्रकारो मे स्वीकार किया है ?

(A) ईश्वर

(B) चित्

(C) अचित्

(D) उपरोक्त तीनों

37. स्पिनोजा दर्शन के आधार है–

(A) द्रव्य और गुण

(B) गुण और पर्याय

(C) द्रव्य और पर्याय

(D) द्रव्य, गुण और पर्याय

38. लाइब्नीज के अनुसार द्रव्य वह है जिसमे–

(A) क्रिया करने की शक्ति हो

(B) सभी गुण परिलक्षित होते हो

(C) अन्तः करण की क्रिया हो

(D) उपरोक्त मे से कोई नही

39. सुकरात ने किसकी एकता के सिद्धान्त को प्रतिपादित किया ?

(A) सुखों की एकता

(B) दुर्गुणों की एकता

(C) सद्गुणों की एकता

(D) आध्यात्य की एकता

40. मध्य मार्ग का सिद्धान्त किस दार्शनिक ने प्रतिपादित किया था ?

(A) प्लेटो ने

(B) अरस्तू ने

(C) सुकरात ने

(D) सोफिस्ट ने

41. डेकार्ट के अनुसार किस प्रकार के सत्य को प्रमाण की आवश्यकता नही होती है ?

(A) स्वतः सिद्ध सत्य

(B) प्रमाणजन्य सत्य

(C) असार्वभौमिक सत्य

(D) अमौलिक सत्य

42. गांधीजी के विचार मे अहिंसा का आधार है–

(A) नैतिक बल

(B) विवशता

(C) दुर्बलता

(D) कायरपन

VPM CLASSES

43. प्लेटो ने जिस जगत की कल्पना की है वो है –

(A) आध्यात्मिक जगत

(B) वास्तुशास्त्रीय जगत

(C) प्रत्ययों का जगत

(D) उपरोक्त मे से कोई नही

44. गांधी जी के अनुसार निम्न कथनों में से सही कथन है–

(A) सत्य साधन है और ईश्वर साध्य है

(B) अहिंसा साधन है और सत्य साध्य है

(C) सत्य साध्य है और प्रेम साधन है

(D) स्वतंत्रता साधन है और अहिंसा साध्य है

45. ''दार्शनिक चिंतन का संबंध प्रथम स्तर आनुभविक चेतना से नहीं है, दर्शन सैद्धान्तिक चेतना के अन्तिम तीनों स्तरों से संबंधित है।'' यह कथन निम्न में से किस विचारक के हैं–

(A) के. सी. भट्टाचार्य

(B) इमबाल

(C) अरविन्द

(D) टैगोर

46. वह फिक्टे और शेलिंग के इस विचार से सहमत है कि ''यथार्थता एक जीवित विकासात्मक क्रम'' है। यह किसके सन्दर्भ में कहा गया है ?

(A) काण्ट

(B) प्लेटो

(C) हेगेल

(D) अरस्तू

47. तार्मिक अणुवाद का सिद्धान्त के प्रतिवादक हैं–

(A) लाइब्निज

(B) जी. ई. मूर

(C) नीत्शे

(D) बर्टेंड रसेल

48. भाषीय खेल खेलने का कारण है–

(A) दार्शनिक समस्याओं के कारण

(B) जीवन की समस्याओं के कारण

(C) आर्थिक समस्याओं के कारण

(D) देश की समस्याओं के कारण

49. निम्न में से पीयर्स के अनुसार अर्थ निरूपण सिद्धान्त के विचार के स्तरों में से नहीं है–

(A) सोपाधिकता का स्तर

(B) व्यवहार का स्तर

(C) पूर्णता का स्तर

(D) पूर्वसूचक स्तर

50. 'मशीन में प्रेत' सिद्धान्त के विचारक हैं–

(A) विलियम जेम्स

(B) गिलबर्ट राइल

(C) विटगेन्सटाइन

(D) सी. एस. पीयर्स

PAPER – III

1. पारमार्थिक सत्ता हमारे लिए है –

(A) कल्पनातीत

(B) प्रत्यक्ष का विषय

(C) वर्णनीय है

(D) उपरोक्त सभी

2. जैनो के अनुसार यह जगत है –

(A) नित्य

(B) अनित्य

(C) नित्य और अनित्य दोनो

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. सामान्य के भेद है

(A) तीन भेद है

(B) चार भेद है।

(C) पॉच भेद है

(D) दो भेद है।

4. संभवन से तात्पर्य है –

(A) यह स्थिर परिवर्तन का प्रकार है।

(B) यह एक प्रकार का गतिशील परिवर्तन है।

(C) यह जगत में होता रहता है।

(D) उपरोक्त B व C

5. पार्मेनाइडीज के अनुसार सत् निम्न में से है–

(A) सत् मे परिणाम होता है

(B) सत् विज्ञान रूप है।

(C) परिणामस्वरूप व विज्ञान रूप दोनों

(D) सत् गतिशील है।

VPM CLASSES

6. अरस्तू ने वस्तु भौतिक कारण निम्न में से कहा है–

(A) उपादान कारण

(B) निमित कारण

(C) स्वरूप कारण

(D) लक्ष्य कारण

7. देकार्त का आत्मा विषयक मत है –

(A) आत्मा संदेह की विषय वस्तु है

(B) आत्मा संन्देह से परे है

(C) आत्मा को आधायात्मिक द्रव्य नहीं कहा जा सकता

(D) उपरोक्त A व C

8. प्रभा का अर्थ निम्न में से कौनसा एक है–

(A) बुद्धि को

(B) यथार्थ ज्ञान को

(C) आत्मा को

(D) प्रकृति को

9. विपरीतख्यातिवार का प्रतिपादन इनके द्वारा किया गया –

(A) प्रभाकर

(B) नागार्जन

(C) कुमारिल

(D) कणाद

10. मीमांसक न्याय वैशेषिक के मत को नही मानते क्योंकि

(A) वे परतः प्रामाण्यवादी है

(B) वे स्वतः प्रामाण्यवादी है

(C) उपरोक्त A व B दोनों

(D) वे अन्तः करण प्रामाण्यवादी है।

11. दर्शन की वह शाखा जो ज्ञान की उत्पत्ति, संरचना, प्रणाली आदि का विवेचन करती है, कहलाती है –

(A) तत्व मीमांसा

(B) पदार्थ मीमांसा

(C) ज्ञान मीमांसा

(D) प्रत्यय मीमांसा

12. जॉक प्रत्ययों के बीच निम्न में से किसके संबंध के प्रत्यक्ष को ज्ञान कहते है–

(A) संगति

(B) असंगति

(C) विरोधिता

(D) उपरोक्त सभी

13. हयूम अनिवार्य संबंध के बारे में प्रकट करते है –

(A) सन्देह

(B) विश्वास

(C) संदेह व विश्वास दोनो

(D) न संदेह और न ही विश्वास

14. न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष है –

(A) आत्मा का ज्ञान होना

(B) ईश्वरीय ज्ञान होना

(C) इन्द्रियजन्य ज्ञान होना

(D) ब्रह्य ज्ञान होना

15. बौद्ध दर्शन निम्न में से ज्ञान के किस भेद में विश्वास रखता है

(A) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष

(B) सविकल्पक प्रत्यक्ष

(C) लौकिक प्रत्यक्ष

(D) अलौकिक प्रत्यक्ष

16. हैत्वाभास कहते है –

(A) प्रत्यक्ष ज्ञान को

(B) प्रत्यक्ष के दोष को

(C) अनुमान को

(D) अनुमान के वास्तविक दोष को

17. चार्वाक मत में अनुमान द्वारा व्याप्ति सिद्धि से निम्न में से कौनसा दोष उत्पन्न होता है ?

(A) आध्यात्मवादी दोष

(B) अन्योन्याश्रय दोष

(C) वस्तुवादी दोष

(D) उपरोक्त सभी

18. रात और दिन तथा ऋतुओं के गमनागमन का नियंत्रण होता है –

(A) ब्रह्म द्वारा

(B) ऋतु द्वारा

(C) यश द्वारा

(D) पुरोहितों द्वारा

19. परम पुरूषार्थ माना गया है–

(A) धर्म को

(B) अर्थ को

(C) काम को

(D) मोझ को

20. गीता में निष्काम भाव से कर्म करने के लिए निम्न में से किस धर्म को आवश्यक माना गया है ?

(A) स्वकर्म

(B) नियतकर्म

(C) स्वभावज कर्म

(D) उपरोक्त सभी

21. निम्न में से शुभ के भेद है –

(A) शारीरिक शुभ

(B) आर्थिक शुभ

(C) नैतिक शुभ

(D) उपरोक्त सभी

22. निम्न में से ब्रह्म विचार का अंश नहीं है –

(A) मैत्री

(B) करूणा

(C) दया

(D) उपेक्षा

23. निम्नलिखित सिद्धान्तों मे से किसमें यह मत माना गया है –

'' तुम्हे एक भेड़ चुराने के लिए दण्ड नहीं दिया गया है लेकिन दण्ड इसलिए दिया गया है कि भेड़ चुराई न जा सके।

(A) सुधारवादी सिद्धान्त

(B) निवारणार्थ दण्ड सिद्धान्त

(C) प्रतिकारार्थक

(D) उपरोक्त A व C

VPM CLASSES

24. निम्नलिखित सिद्धान्तो में से किसमें यह पूर्व मान्यता है ' अपराध' अपने मूल स्वरूप में एक विकृतिजन्य घटना है जो विक्षिप्तता के निकट है तथा उसकी समुचित चिकित्सा रोग मुक्ति है न कि दण्ड विधान ?

(A) प्रतिकारक सिद्धान्त

(B) सुधारक सिद्धान्त

(C) निवारक सिद्धान्त

(D) उपरोक्त A व C

25. मिल सामाजिक भावना को किसका मूलाधार मानते है ?

(A) परसुखवाद

(B) मनोवैज्ञानिक सुखवाद का

(C) नैतिक सुखवाद का

(D) उपरोक्त सभी का

26. काण्ट का निरपेक्ष आदेश अभिव्यक्त करता है –

(A) नैसर्गिक अनिवार्यता

(B) संकल्प की स्वायत्तता

(C) दैवी धर्मादेश

(D) समाजीय मॉग

27. निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन ' कर्म – उपयोगितावाद की सही व्याख्या करता है ?

(A) कर्मो के सही या गलत होने का निर्णय उनके फलो के अच्छे या बुरे होने से करना

(B) कर्मो के सही या गलत होने का निर्णय कर्त्ता के अभिप्रायों के अच्छे या बुरे होने से करना

(C) कर्मो के सही या गलत होने का निर्णय अपनी आत्मा के आदेशों से करना

(D) कर्मो के सही या गलता हाने का निर्णय दु;खो के कम होने के द्वारा करना।

28. कथन (A) निस्संज्ञानवादीयों के अनुसार मूल्य निर्णय की अभिव्यक्ति प्रतिज्ञप्ति नहीं है।

कारण (R) मूल्य निर्णय किसी भाव अथवा अभिवृत्ति की अभिव्यक्ति मात्र होता है।

(A) (A) तथा (R) सही है तथा (R),(A) की सही व्याख्या करता है

(B) (A) तथा (R) सही है तथा (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है जबकि (R) गलत है

(D) (A) व (R) दोनो गलत है

29. निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही नही है–

(A) उपयोगितावाद एक प्रकार का फलपरकतावाद है

(B) उपयोगितावाद का आधार मनोवैज्ञानिक है

(C) उपयोगितावाद की मान्यता है कि शुभ अपने आप में एक मूल्य है।

(D) उपयोगितावाद का कहना है कि नैनिक निर्णयों का औचित्य दिया जा सकता है।

30. मनुष्य के मौलिक अधिकार है –

(A) जीवन सुरक्षा का अधिकार

(B) स्वतंत्रता का अधिकार

(C) धार्मिक अधिकार

(D) आर्थिक अधिकार

कूट –

(A) A तथा B

(B) B तथा C

(C) A, B, तथा C

(D) A, B,C तथा D

31. विचार के नियमों के भेंद है–

(A) दो प्रकार के

(B) तीन प्रकार के

(C) चार प्रकार के

(D) पॉच प्रकार के

32. जिस तर्क वाक्य में केवल एक प्रकार का अभिकथन होता है उसे कहते है–

(A) सरल तर्कवाक्य

(B) मिश्र तर्कवाक्य

(C) भावात्मक तर्कवाक्य

(D) निषेधात्मक तर्कवाकय

33. '' महात्मा गॉधी एक दार्शनिक है '' इससे निम्नलिखित में से कौनसा वैध अनुमान निकलता है ?

(A) कोई एक दार्शनिक है

(B) महात्मा गॉधी अर्थनितिज्ञ नहीं है

(C) यदि महात्मा गॉधी एक दार्शनिक है तो प्रत्येक दार्शनिक है।

(D) यदि महात्मा गांधी दार्शनिक नहीं है तो प्रत्येक दार्शनिक नही है।

कूट –

(A) A तथा B

(B) B तथा C

(C) A तथा D

(D) A, B,C तथा D

34. एक निगमात्मक युक्ति केवल तभी वैध है जब –

(A) उसकी आधारिकाएँ तथा निष्कर्ष दोनों सत्य है

(B) उसकी निष्कर्ष आधारिकाओं से अनुलग्नित होता है।

(C) उसका निष्कर्ष सत्य है

(D) उसकी आधारिकाय निष्कर्ष के लिए साक्ष्य प्रस्तुत करती है

35. तार्किक वाक्य के अंग निम्न में से है

(A) उद्देश्य

(B) विधेय

(C) सयोंजक

(D) उपरोक्त सभी

36. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा एक आमारिक तर्कशास्त्री के दृष्टिकोण से सत्य है?

(A) यदि निष्कर्ष सत्य है तथा तर्क वैध है तो आधारिकाएँ अवश्य ही सत्य होंगी

(B) यदि आधारिकाएँ सत्य है तथा तर्क वैध है तो निष्कर्ष अवश्य ही सत्य होगा

(C) यदि तर्क वैध है तो आधारिकाएँ तथा निष्कर्ष दोनो अवश्य ही सत्य होंगे

(D) यदि आधारिकाएँ असत्य है तथा तर्क वैध है तो निष्कर्ष अवश्य ही असत्य होगा।

37. विभिन्न धर्मो की तुलनात्मक अध्ययन की विशेषताएँ निम्न मे से है–

(A) अपने ही धर्म को जानने के लिए अन्य धर्मो के तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता पड़ जाती है

(B) केवल धर्मो को जानकार मानव भूत को वर्तमान में पुर्नजीवित कर भविष्य का निर्माण कर सकता है।

(C) तुलनात्मक अध्ययन से धर्मो में इरीकम होगी और सद्भाव बढ़ेगा।

(D) उपरोक्त सभी

38. निम्न में से कौनसा धर्म वर्ण विचार को स्वीकार करता है–

(A) आर्य धर्म

(B) जैन धर्म

(C) बौद्ध धर्म

(D) सिक्ख धर्म

39. मण्डन ने सन्यास आश्रम से अच्छा समझा था –

(A) ब्रह्मचर्य आश्रम

(B) गृहस्थ आश्रम

(C) वानप्रस्थ आश्रम

(D) उपरोक्त सभी को

40. बौद्धधर्म का कहा जाता है–

(A) उच्छेदवादी

(B) शाश्वतवादी

(C) अवैदिक

(D) उपरोक्त A व B

41. बौद्ध धर्म में समाधि विशुद्धि मार्ग सबसे मुख्य पक्ष है। इसके अतंर्गत कितने अंग पाये जाते है –

(A) दो अंग

(B) तीन अंग

(C) चार अंग

(D) आठ अंग

42. मानवीय व्यक्तित्व को अमर होना किसके लिए आवश्यक है –

(A) मूल्यों के लिए

(B) कर्त्तव्यों के लिए

(C) अर्थ के लिए

(D) अधिकार के लिए

43. '' भाषा जगत का दर्पण है यह कथन है –

(A) मूर का

(B) रसेल का

(C) पिटगेन्सटीन का

(D) हीगल का

44. क्वाइन के अनुसार उद्धेश्य – विधेय के आधार पर निर्णय होते है –

(A) संश्लेषणात्मक

(B) विश्लेषणात्मक

(C) उपरोक्त A व B

(D) उपरोक्त मे से काई नहीं

45. फिनामिनन शब्द किस भाषा से लिया गया है

(A) ग्रीक

(B) यूनानी

(C) भारतीय

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

46. अहंमात्रवाद का सिद्धान्त किसका अस्तित्व मानने वाला है ?

(A) मैं

(B) हम

(C) तुम

(D) वह

47. फिनोमिनोलॉजिकल समाजशास्त्र इन्द्रियों द्वारा वस्तुओं की व्याख्या किस प्रकार करता है ?

(A) जैसा देखता है उसे बढाकर

(B) जैसा देखता है उसमें कमियॉ निकालकर

(C) जैसा देखता है वैसा ही

(D) उपरोक्त सभी

48. बल्लभ मत में जीव किसका अंशरूप परिणाम है ?

(A) माया

(B) धर्म

(C) कर्म

(D) ब्रह्म

49. शुद्धाद्वैत के किस सिद्धान्त के अनुसार जगत् ''सत्'' है ?

(A) विशिष्टवाद

(B) अविशिष्टवाद

(C) सत्कार्यवाद

(D) उपरोक्त मे से कोई नहीं

50. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और दिय गए कूट से सही उ़त्तर चुनिए –

सूची I	सूची II
(a) गीता	(i) बौद्धधर्म
(b) ़त्रिपिटक	(ii) कर्मयोग
(c) त्रिरत्न	(iii) ईसाई
(d) बाइबिल	(iv) जैन धर्म

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iii	iv	i	ii

51. ‘‘ कैवल्य’’ की अवस्था निम्न मे से किस दर्शन में पाई जाती है –

(A) सांख्य दर्शन

(B) बौद्ध दर्शन

(C) वेदान्त दशन

(D) मीमांसा दर्शन में

52. मीमांसा में मोक्ष को कहा गया है –

(A) कैवल्य

(B) निर्वाण

(C) मुक्ति

(D) नि : श्रेयस

53. उपनिषदों के अनुसार मोक्ष का साधन ज्ञान है , तो ज्ञान के साधन है–

(A) श्रवण

(B) मनन

(C) निदिध्यासन

(D) उपरोक्त सभी

54. विज्ञान के लिए मुख्य है –

(A) भाषा

(B) विचार

(C) घटना

(D) उपरोक्त सभी

55. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा सत्य के अर्थक्रियावादी सिद्धान्त का निर्देशन करता है ––

(A) एक प्रतिज्ञप्ति सत्य है यदि वह तथ्य के अनुसार है

(B) एक प्रतिज्ञप्ति सत्य है यदि उसकी परिणती सफलता है

(C)एक प्रतिज्ञपित सत्य है यदि वह स्वीकृत प्रतिज्ञप्तियों का खण्डन नही करती है

(D) एक प्रतिज्ञप्ति अपनी संरचना के आधार पर सत्य अथवा असत्य होती है

56. निम्नलिखित में से कौनसा एक आकारिक निगमनात्मक तंत्र के ' संगति के पश्च निकष का सही कथन है?

(A) एक तंत्र संगत है यदि और तभी जब प्रत्येक फार्मुला उसके अन्दर एक प्रमेय के रूप में सिद्ध किया जा सकता है

(B) एक तंत्र संगत है जब उसके उपरिभाषित पदों का निर्वचन करना संभव है

(C) एक तंत्र संगत है यदि उसमें एक ऐसा फार्मुला है, जो तंत्र के अन्तर्गत प्रमेय के रूप मे सिद्ध नहीं किया जा सकता ।

(D) एक तंत्र संगत है यदि समस्त पुनरूक्तियों को उसके अन्तर्गत प्रमेयों के रूप मे सिद्ध किया जा सकता है।

57. '' एक प्रतिज्ञप्ति का अर्थ उसके सत्यापन की विधि में निहित है'' यह मत है –

(A) अस्तित्ववाद का

(B) अर्थक्रियावाद का

(C) तार्किक अणुवाद का

(D) तार्किक प्रत्यक्षवाद का

58. सत्याग्रह की प्रमुख व्यवहारिक आवश्यकताये है –

(A) असहयोग और नागरिक अवज्ञा

(B) हिजरत और हड़ताल

(C) उपवास

(D) उपरोक्त सभी

59. गांधी जी के अनुसार स्वराज का अर्थ है

(A) अपना राज्य अपना शासन

(B) अपना राज्य विदेशी शासन

(C) विदेशी राज्य विदेशी शासन

(D) विदेशी राज्य अपना शासन

60. ''सत्य के अन्तर्गत ज्ञान की अन्तवस्तु एवं ज्ञात विषय की रचनात्मक समरूपता आती है '' यह कथन निम्नलिखित सत्य विषयक सिद्धान्तो में से किसी एक का लक्षण है ?

(A) अन्त : प्रज्ञा सिद्धान्त

(B) संसक्तता सिद्धान्त

(C) अर्धक्रियात्मक सिद्धान्त

(D) सवांदिता सिद्धान्त

61. संत ऑगस्टीन के अनुसार निम्नलिखित कथनों मे से कौन सा एक सत्य है–

(A) मनुष्य को ईश्वर की कृप्रा की भेट को स्वीकारने या अस्वीकार ने की स्वतंत्रता है

(B) मनुष्य स्वतंत्र ही नही है

(C) तर्कबुद्धि द्वारा सदा निर्देशित विवेकशील मनुष्य पूर्णरूपेण स्वतंत्र है

(D) मनुष्य तभी स्वंत्रत होता है जब वह यह जान लेता है कि उसका ईश्वर से तादात्मय है।

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

प्रकृतिवाद के अनुसार नैतिक निर्णय तथ्यात्मक कथन के समान है, क्योंकि वे है –

1. विवरणात्मक
2. संज्ञानात्मक
3. मूल्यात्मक

उपरोक्त कथनों में से कौन से सही है ?

(A) 1 व 2

(B) 1,2 एव 3

(C) 1 व 3

(D) 2 व 3

63. गॉधी जी के अनुसार सत्याग्रह है –

(A) बौद्धिक शक्ति

(B) शारीरिक शक्ति

(C) आध्यात्मिक शक्ति

(D) मानसिक शक्ति

64. शंकर के अनुसार जगत का उपादान कारण है –

(A) आत्मा

(B) ईश्वर

(C) प्रकृति

(D) अणु

65. शंकर के अनुसार माया का अनिर्वचनीय कहा गया है, क्यांकि

(A) माया का लक्षण सत् है

VPM CLASSES

(B) माया शंकर दर्शन में स्वतंत्र सत्ता रखती है

(C) यह सत् नहीं है और असत् भी नहीं

(D) उपरोक्त सभी

66. शंकर के मत में मोक्ष का ज्ञान का कार्य कहा जा सकता है ?

(A) नही कहा जा सकता

(B) हॉं, कहॉ जा सकता है

(C) अनिर्वचनीय ळे

(D) उपरोक्त सभी असत्य है

67. शंकर ने सत्ता के स्तर बताये है –

(A) दो स्तर

(B) तीन स्तर

(C) चार स्तर

(D) पॉच स्तर

68. रामानुज के अनुसार मोक्ष प्राप्ति का उपाय है–

(A) ज्ञान

(B) कर्म

(C) धर्म

(D) भक्ति

69. तत् त्वम असि के बारे में शंकर के सिद्धान्त को निम्नलिखित में से कौन – सा सर्वोत्तम चित्रण है।

(A) आत्मा ब्रह्मा का एक अंश है

(B) आत्मा ब्रह्मा से स्वतंत्र है

(C) आत्मा ब्रह्मा के समरूप हे

(D) आत्मा प्रत्ययों का प्रवाह है।

70. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और दिय गए कूट से सही उ़त्तर चुनिए –

सूची I	सूची II
(a) अद्वैत	(i) निम्बार्काचार्य
(b) विशिष्टाद्वैत	(ii) बल्लाभाचार्य
(c) शुद्धाद्वैत	(iii) रामानुजाचार्य
(d) द्वैताद्वैतवार	(iv) शंकराचार्य

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	iii	ii	iv	i

71. गांधीवादी नीतिशास्त्र का सिद्धान्त है

(A) साध्य व साधन दोनों की पवित्रता

(B) साधन व साध्य दोनो के प्रति उदासीनता

(C) साधनों के प्रति उदासीनता किन्तु साध्य के प्रति प्रतिबद्धता

(D) कर्मो के प्रति प्रतिबद्धता के साथ साध्य के प्रति पूर्ण उदासीनता

72. निम्नलिखित में से कौन एक गांधीवादी अहिंसा के सही सारतत्व का व्यक्त करता है ?

(A) शारीरिक अंहिसा

(B) जानबूझकर की गई आत्म पीड़ा

(C) ईर्ष्याभाव

(D) सत्य और निर्भरता

73. अख्यातिवाद के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा एक सत्य है –

(A) दृष्ट वस्तु का मिथ्या ग्रहण

(B) प्रत्यक्ष ओर स्मृति में विभेद का अभाव

(C) किसी की विस्मरणशीलता का फल

(D) एकात्मक संज्ञान का फल

74. मिथ्या प्रतीति के विषय में रामानुज के निम्नलिखित सिद्धान्तों में से कौनसा एक सिद्धान्त मान्य है

(A) सत्ख्याति

(B) असत्ख्याति

(C) आत्माख्याति

(D) अनिर्वचनीय ख्याति

75. नैतिक आचार संहिता का स्वरूप जानने के लिए समाज में आचरण के कितने भेद है जिनमें फर्क करना आवश्यक है –

(A) दो स्तर

(B) तीन स्तर

(C) चार स्तर

(D) पॉच स्तर

VPM CLASSES

ANSWER KEY

PAPER-I

Question	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Answer	B	C	D	B	C	D	D	D	D	C	C	B	A	B	D	B	C	C	A	D
Question	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Answer	C	D	B	A	C	C	B	D	B	D	D	C	B	D	C	B	C	D	C	C
Question	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50										
Answer	C	D	A	C	D	D	B	A	C	D										

PAPER – II

Question	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Answer	A	A	B	C	B	D	D	C	C	D	A	C	D	A	B	B	B	B	D	A
Question	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Answer	D	A	A	D	C	C	B	A	D	A	C	B	B	D	C	D	D	A	C	B
Question	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50										
Answer	A	A	C	B	A	C	D	A	C	B										

PAPER – III

Question	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Answer	A	C	D	D	B	A	B	B	C	A	C	D	A	C	A	D	B	B	D	D
Question	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Answer	D	C	B	B	C	B	D	A	D	D	C	A	C	B	D	B	D	A	B	C
Question	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
Answer	B	A	C	C	B	A	C	D	C	C	A	D	D	C	B	C	D	D	A	B
Question	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75					
Answer	D	A	C	B	C	A	B	D	C	B	A	D	A	A	B					

HINTS AND SOLUTIONS

PAPER- I

1.(B) शोध एक प्रक्रिया है जिसमें निर्धारित उद्देश्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचने की एक प्रक्रिया होती है।

2.(C) शिक्षण का उद्देश्य छात्रों में तर्क, चिन्तन व बौद्ध क्षमता का विकास करना है जिससे वे शैक्षिक समस्याओं का समाधान कर अधिगम की ओर अग्रसर हो सके।

3.(D) विज्ञान शिक्षण की प्रक्रिया 'करके सिखने के' सिद्धान्त पर आधारित होनी चाहिए। इसलिए प्रयोगशाला पद्धति सर्वश्रेष्ट है। प्रश्नोत्तर द्वारा विज्ञान को नहीं समझा जा सकता है। आगमन व समस्या पद्धति, सिद्धान्त तक पहुंचने में सहायक है।

4.(B) आविष्कार में अनुसंधान निहीत नहीं होता है क्योकि अनुसंधान एक निर्धारित प्रक्रिया है। परन्तु अनुसंधान, आविष्कार मुखी होता है क्योंकि इसमे नये तथ्यो को खोजा जाता है।

5.(C) यदि शिक्षण प्रभावशाली है तो छात्र सक्रिय रहकर प्रश्न पूछते है। प्रश्नो की गुणवत्ता, शिक्षण की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।

6.(D) विचार विमर्श विधी (disussion method) का उपयोग किसी भी प्रकार की विषय–वस्तु के लिए किया जा सकता है।

7.(D) अनुसंधान के उद्देश्य कथन या प्रश्न के रूप में लिये जा सकते है और यह कार्य शोध के प्रथम अध्याय में किया जाता है। प्रथम अध्याय में समस्या, उद्देश्य, परिकल्पनाऐ लिखे जाते है।

8.(D) वर्तमान वार्षिक परीक्षा प्रणाली में छात्र पुरे वर्ष निष्क्रिय रहते है केवल वर्ष के अन्त में जब परीक्षा का समय होता है तब अध्ययन कार्य करते है। वार्षिक परीक्षा प्रणाली के दोषों को सेमेस्टर प्रणाली से दूर किया जा सकता है।

9.(D) प्रयोगात्मक अनुसंधान में स्वतन्त्र चर व परतन्त्र चर को उपयोग में लाया जाता है। स्वतन्त्र चर के प्रभावों को परतन्त्र चर पर अध्ययन करते है। प्रयोगात्मक शोध में स्वतन्त्र चर या विचलन को ट्रीटमेन्ट या मैनीपुलेटेड या प्रयोगात्मक विचलन कहेगें क्योंकि इसमें परिर्वतन करके उसके द्वारा परतन्त्र विचलन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

10.(C) सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के लिए कार्यशाला (Work shop) विधी सर्वश्रेष्ठ है।

11.(C) इस उद्धरण में वृद्ध व्यक्तियों, विकलांगों ओर बेरोजगारों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में बताया गया है।

12.(B) अमरीका एक पूंजीवादी देश था ।

13.(A) रूजवेल्ट ने 1935 में एक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम पारित किया। इस अधिनियम के अन्तर्गत विकलागों ओर बेरोजगारों को वित्तीय सहायता दी गयी।

14.(B) 1935 के अधिनियम में 65 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को वृद्धा पेन्शन दी गयी।

15.(D) इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य वृद्ध व्यक्तियों, विकलांगों ओर बेरोजगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

16.(B) सभी कथनो में अहंकारी होना या नहीं होना बताया गया है परन्तु, दूसरे कथन में विनम्र बताया है। यदि अधिकतर कवि विनम्र है तो कुछ कवि विनम्र होगे, ना की अंहकारी होगें।

17.(C)

M	E	A	D	O	W		C	O	R	N	E	R	
↓	↓	↓	↓	↓	↓	लिखते है तो	↓	↓	↓	↓	↓	↓	को लिखेगे।
B	F	N	V	N	C		S	P	D	Q	D	M	

18.(C) द्वितीय कथन में प्रसिद्धि का कारण केवल टॉप के अभिनेता होना नहीं मान सकते है तृतीय कथन में लता राजू की दूसरी बहन हो सकती है परन्तु राजू, लता का कौनसे नम्बर का भाई है यह कहना मुशकिल है। चतुर्थ कथन में जब A, B के बराबर नहीं है तो C के कैसे बराबर होगा।

19.(A) BBC वर्ल्ड, एक न्यूज चैनल है। जिसमे Knowing is very thing, विज्ञान पंक्ति बोली जाती है।

20.(D) इस प्रकार के प्रश्नों के लिए एक सूत्र होता है–

E	J	O	T	Y
↓	↓	↓	↓	↓
5	10	15	20	25
+	+	+	+	+
4	4	4	4	4
9	14	19	24	29

यदि A को 5 माना हो अतः 4 अंक बड़ा दिया है तो सूत्र हो जायेगा–

22 वाँ होगा R, 25 वाँ U, 8 वाँ D, 22 वाँ R, 5 वाँ A होगा।

21.(C) उपरोक्त सभी सीरियलों में हम लोग सीरियल सबसें पुराना है।

22.(D) $\frac{2}{3},\frac{4}{7},\frac{7}{13},\frac{11}{21},\frac{16}{31}$ इसमे अंश का अंतराल 2, 3,4,5 है जबकि हर का अंतराल 4, 6, 8, 10 है।

23.(B) इन सभी विशिष्ट महिलाओं के कार्यक्षेत्र विशेष 2, 1, 4, 3 के क्रम मे है।

24.(A) यह आवश्यक नहीं है जो शत्रु राम के लिए इकलौता शत्रु है उसके लिए राम भी इकलौता शत्रु हो।

25.(C) माना की तीनों प्रकार के x संख्या है तो–

$$x + \frac{x}{2} + \frac{x}{4} = 35 \text{ रू. } 7x = 140 \quad \left.\begin{array}{l} 1 \text{ रू. के लिए} = x \\ 50 \text{ पैसे के लिए} = \frac{x}{2} \\ 25 \text{ पैसे के लिए} = \frac{x}{4} \end{array}\right\}$$

$$x = 20$$

26.(C) हंगामा चैनल एक भारतीय कार्टून चैनल है जिसमे बाल कलाकारो के कार्यक्रम भी प्रसारित होते है।

27.(B) 1, 3 और 4 कथन सदैव सत्य है।

28.(D) सेरोगेट मदर किसी भी रिश्तेदार के बच्चे को जन्म दे सकती है। कारें डीजल से भी चलती है।

29.(B) R $\underset{4}{\sqcup}$ G $\underset{4}{\sqcup}$ L $\underset{4}{\sqcup}$ Q सभी मे 4 शब्दों को Skip किया है और F $\underset{4}{\sqcup}$ K $\underset{4}{\sqcup}$ P $\underset{4}{\sqcup}$ U में भी 4 Words skip किये है।

30.(D) वीर संघवी का इण्डिया टुडे से कोई सम्बन्ध नही है।

31.(D) राज्य B के लिए सन् 2003 से 2004 मे वृद्धि में (30– 20 = 10) अधिकतम है।

32.(C) राज्य B की औसत जनसंख्या = $\frac{15+25+30+30+40+45}{6} = 30.8$

33.(B) राज्य B की जनसंख्या में सन् 2007 में वृद्धि हुई $\frac{40-30}{30}\times 100 = \frac{10}{30}\times 100 = 33.33\%$

34.(D) अनालॉग के लिए अनालॉग कम्पयूटर होता है और डिजिटल प्रोसेसिंग के लिए डिजिटल कम्प्यूटर होता है।

35.(C) वायरस एक घातक सॉफ्टवेयर है जो कम्प्यूटर प्रोग्राम को अवरूद्ध करता है।

36.(B) भारत के निर्वाचन आयोग को राष्ट्रीय अथवा क्षेत्रीय दल के रूप में मान्यता दी गई है।

37.(C) बेसिक शिक्षा को वर्धा शिक्षा योजना भी कहते है जिसे गांधी जी ने बतायी थी।

VPM CLASSES

38.(D) उपरोक्त सभी कारणों से मरूस्थलीकरण की प्रक्रिया होती है।

39.(C) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (University grant Commission) की स्थापना सन् 1953 में हुई।

40.(C) सड़कों के निर्माण के लिए वनभूमि का विनाश किया गया है।

41.(C) आई. सी.टी. का सम्बन्ध शैक्षिक तकनीकी से है जिसे Information and Communication technology कहते है।

42.(D) MS-word, MS-Excel, Power point, फोटोशॉप यह सभी सामान्य उद्देश्य के साफ्टवेयर है।

43.(A) कक्षा A के संयुक्त अंक है – $20 \times 10 = 200$

कक्षा B के संयुक्त अंक है – $80 \times 20 = 1600$

कक्षा A व B के दोनों का संयुक्त औसत होगा = कुल अंक $\dfrac{200+1600}{20+80} = \dfrac{1800}{100} = 18$

44.(C) वित्त आयोग, राजभाषा आयोग व निर्वाचन आयोग मान्य व संवेधानिक है जबकी योजना आयोग एक संवैधानिक निकाय नहीं है।

45.(D) कम्प्यूटर का उपयोग शैक्षिक तकनीकी मे करते है जिसमें मनोवैज्ञानिक परीक्षण, अनुदेशन क्रिया, निर्देशन प्रक्रिया, निदात्मक प्रक्रिया सम्भव हो।

46.(D) मकर रेखा पर सूर्य रेखाएँ सीधी पड़ती है जिससे ग्लोबल वार्मिंग की सम्भावनाएँ अधिक होती है।

47.(B) लोगों की बढ़ती आकाक्षाएं, निजीकरण व आर्थिक नियोजन हेतु सरकार की भूमिका या उत्तरदायित्व बढ़ा है।

48.(A) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा प्रतिवर्ष, मुद्रा व वित्त पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है।

49.(C) बी. आर. मेंहता कमेटी ने सन् 1957 में 'लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण' की विचारधारा का प्रसार किया। जिसमें सता का कार्य भार लोकतान्त्रिक रूप से विभिन्न दलों को सोपने को कहा गया।

50.(D) मनुष्य पर्यावरण का ही एक हिस्सा है या उसकी उपज है यह एक व्यापक स्वीकार्य कथन है।

PAPER – II

1.(A) उपनिषदों में अनुसार जो व्यक्ति अपने जीवनकाल में आध्यात्म विधा का अध्यास कते हैं मरणोपरांत सर्वप्रथम वे अग्नि में–दिन में–शुक्लक्ष–उत्तरायण षड़ मासों में–सवंत्सर में–सूर्य में–चन्द्रमा–में–बिजली में, यहाँ एक पारलौविक पुरूष से भेंट होती है जो उन्हें ब्रह्मलोक पहुँचाता है और वहाँ वह ब्रह्म में लीन हो जाता है।

2.(A) सृष्टि संबंधी विचार की दृष्टि से ऋग्वेद के 'पुरूष सूक्त' और 'नासदीय सूक्त' ये दोनों सूक्त अतीव महत्त्वपूर्ण है। अतः विकल्प (A) सही है।

3.(B) क्योंकि ऋत का सिद्वान्त सम्पूर्ण मानवता के लिए है। इस ऋत का संकेत यद्यपि ऋग्वेद में एक वैज्ञानिक नियम के रूप में हुआ है क्योंकि सूर्य, चन्द्र, रात, दिन व ऋतुओं में गमनागमन का नियत्रंण उसी के द्वारा होता है।

4.(C) क्योंकि चार्वाकों के अनुसार अच्छा काम वही है जिससे दुःख की अपेक्षा अधिक सुख मिलता है। चार्वाक मे इस मत को हम सुखवार (Hedonism) कहते हैं। इसके अनुसार सुखयोग ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है।

5.(B) क्योंकि दर्शनशास्त्र स्वतंत्र विचार से उत्पन्न है। दर्शनशास्त्र के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने को सुद्बढ, बनाने के निमित्त संशयवादियों के आक्षेपों दूर करे । संशयवादी जन साधारण के विचारो को दोष युक्त बताकर नई-2 समस्याएँ खड़ी करते हैं तथा इन समस्याओं का समाधान करके दर्शन और भी पुष्ट तथा समृद्ध हो जाता है।

6.(D) जैनों के अनुसार प्रत्यक्ष ज्ञान की उत्पत्ति में सबसे पहल इंद्रिय सवेदंन होता है जैसे–हम कोई ध्वनी सुनते हैं। शुरू में यह ज्ञात नहीं होता कि यह ध्वनी किसकी है। इसे ही अपग्रह कहते हैं। इसमें केवल विषय का ग्रहण होता है ईध–वह ध्वनी किस वस्तु कि है इसे ईध कहते हैं।

अवाय–एक निश्चयात्यक ज्ञान कि यह ध्वनी अमुक वस्तु की है।

धारण–इस प्रकार जो ज्ञान प्राप्त होता है वो मन में धारण होता है।

7.(D) क्योंकि जैनियों के अनुसार उपदेष्टाओं के प्रति श्रद्धा का होना भी आवश्यक होता है। इसी श्रद्धा को सम्यक दर्शन कहते हैं। सम्यक ज्ञान की प्राप्ति मे सम्यक दर्शन बडा सहायक होता है । किंतु सम्यक

ज्ञान प्राप्त कर लेने से ही कुछ फल नहीं मिलता अतः सम्यक चरित्र एक तीसरा आवश्यक साधन है। तीनों के सम्मिलित होने पर ही मोक्ष मिलता है।

8.(C) चित्त की मैत्री, करूणा, मुदिता और उपेक्षा में चारों बौद्व धर्म के अनुसार 'ब्रह्मविहार' के अंग है जिन्हें चार अपरिमित भी कहा जाता है। इनमे आ जाने से भिक्षु का ब्यावहार सम्यक कहा जा सकता है।

9.(C) सौत्रांतिको के अनुसार ज्ञान के चार कारण हैं–

1. आलबंन 2. समनंतर 3. अधिपति 4. सहकारी

10.(D) न्याय-वैशेषियों के अनुसार गुणों व द्रव्य का समवाय संबंध होता है। यह दो अयुतसिद्व वस्तुओं में होता है। जैसे–द्रव्य और गुण में, द्रव्य और कर्म में, सामान्य और व्यक्ति में तथा नित्य और विशेष द्रव्य में समपाय संबंध होता है।

11.(A) न्याय के अनुसार उपमान तीसरा प्रमाण है। उसके द्वारा संज्ञा-संज्ञि संबंध का ज्ञान होता है।

12.(C) क्योंकि नैयायिकों के अनुसार ईश्वर द्वारा व्यक्त होने के कारण की वेद प्रामाणिक हैं। उनके अनुसार वेदों के प्रामाण्य का कारण ईश्वर है। वेदों का रचयिता जीप नही हो सकता क्योंकि जीव उनके अलौकिक एवं अतींद्रिय विषयों को नहीं जान सकता है।

13.(D) क्योंकि वैशेषिक दर्शन के अनुसार कर्म पाँच प्रकार के होते है–

1. उत्क्षेपण – ऊपर फेंमना
2. अपक्षेपण – नीचे फेंमना
3. आकुंचन – सिकोड़ना
4. प्रसारण – फैलाना
5. गयन – चलना

14.(A) सांख्य दर्शन का मुख्य आधार है सत्कार्यवाद अर्थात कार्य अपनी उत्पत्ति के पूर्व कारण में विद्यमान होता है जैसे–तिल को पेरने से तेल निकलता है क्योंकि तेल पहले से ही तिल में मौजूद है। सांख्य इन बातों से इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि कार्य अपनी अभिव्यक्ति से पूर्व कारण में विद्यमान रहता है।

15.(B) सांख्य का ज्ञान विषयक सिद्वान्त द्वैतवाद पर आधारित है। सांख्य केवल तीन प्रमाण (यथार्ध ज्ञान के साधन) मानता है–प्रथम, अनुमान और शब्द

16.(B) क्योंकि सांख्य के अनुसार प्रकृति नित्य और निरपेक्ष है, क्योंकि सापेक्ष और अनित्य पदार्थ जगत् का मूल कारण नहीं हो सकता है।

मन, बुद्धि व अहंकार प्रकृति के तीन गुण है जिनके कारण प्रकृति एक गहन, अनंत और सूक्ष्माति सूक्ष्य शक्ति है जिसके कारण संसार की सृष्टि व लय का चक्रप्रवाह निरंतर चलता रहता है।

17.(B) योग दर्शन में चिन्तभूमि (मानसिक अवस्था) के पाँच रूप हैं–

1. क्षिप्त 2. मूढ़ 3. विक्षिप्त 4. एकाग्र 5. निरूद्ध

18.(B) योग दर्शन में संप्रज्ञात समाधि के चार प्रकार हैं–

1. सवितर्क समाधि
2. सविचार समाधि
3. मानद समाधि
4. सस्मित समाधि

19.(D) मीमांसकों में वेदवाक्य दो प्रकार का होता है–

1. **सिद्धार्थ वाक्य**–जिस वाक्य से किसी सिद्ध विषय के बारे में ज्ञान प्राप्त होता है।

2. **विधायक वाक्य**–जिस वाक्य से किसी क्रिया के लिये विधि या आज्ञा सूचित होती है।

20.(A) क्योंकि ज्ञान का प्रामाण्य (प्रामाणिकता) उस ज्ञान की उत्पादक सामग्री में ही विद्यमान रहता है, कहीं बाहर से नहीं आता।

ज्ञान उत्पन्न होते ही उसके प्रामाण्य का भी ज्ञान हो जाता है। यह नहीं की प्रामाणतर से परीक्षण करने के लिए हम ठहरे रहें और जब वह ज्ञान दूसरी जाँच की कसौटी पर ठीक उतर जाए तब हम उसे सत्य समझे। इसे ही स्वतः प्रामाण्यवाद कहते हैं।

21.(D) ''देवदत्त मोटा है। हॉलाकि उसे दिन में कुछ खाते कमी नहीं देखा गया है। अतः वह अवश्य ही रात्रि में खाता होगा।'' यह अर्थापत्ति का उदाहरण है।

22.(A) मीमांसकों के अनुसार ज्ञान स्वतः प्रकाश है क्योंकि जब कोई ज्ञान उत्पन्न होता है तब उसी में उसकी सत्यता का का गुण भी सन्निहित रहता है।

23.(A) शंकर के चार साधनों को साधन चतुष्य कहा जाता है। वे हैं–मुमुक्षुत्व, शमदमादिसाधन, नित्यानित्यवस्तुविवेक, इधमुजार्थभोग विरोगप।

24.(D) क्योंकि ब्रह्मसूत्र पर अनेक भाष्य लिखे गए जिनमें भाष्यकारों ने अपनी-2 दृष्टि से वेदांत का प्रतिपादन किया। प्रत्येक माष्यकार यह सिद्ध करने की चेष्टा में लगे कि उन्हीं का माष्य श्रुति और भूलगंध (सूत्र) का असली तात्पर्य बदलाता है। इस कारण हर एक माष्यकार एक-2 वेरांत सम्प्राय के प्रवर्तक बन

गए। जैसे–शंकर रामानुज, माध्वाचार्य, बल्लमाचार्य, निबांर्काचार्य आदि के नाम पर भिन्न-2 सम्प्राय चल पड़े।

25.(C) बादरायण ने उपनिषदों के सर्व सम्मत उपदेशों का संकलन करके ब्रह्मसूत्र की रचना की जिसे वेदांत सूत्र, शारीरिक मीमांसा या उत्तर मीमांसा भी कहते हैं।

26.(C) शंकर के अनुसार माया ईश्वर की शक्ति है तथा वे माया को ब्रह्म की शक्ति भी समझते है परन्तु उनके अनुसार यह शक्ति ब्रह्म का नित्य स्वरूप नहीं (जैसा रामानुज मानते हैं) परन्तु एक इच्छा मात्र है। शंकर माया को प्रकृति भी कहते हैं क्योंकि ये उन लोगों के लिए संसार का आदि कारण है जो संसार को देख रहें है।

27.(B) जहाँ जो वस्तु नहीं है उसे वहाँ कल्पित करना अध्यास कहलाता है। जैसे–एक भ्रम जो ब्रह्म को जगत समझने की त्रुटि करता है। अध्यास अज्ञान या भ्रम का पर्यायवाची है। अज्ञान से ज्ञान अपहित या ढका ढका हुआ रहता है।

28.(A) काण्ट के अनुसार, ऐसा कर्म करें कि मानवता चाहे आपके हो या अन्य के अन्दर,सदैव साध्य बनी रहें।विवेक आवश्यक धर्म है। विवेक के आदेश नैतिक नियम है। यह सभी मनुष्यों में सामान्य होने के कारण आदरणीय है। अतः किसी भी मनुष्य को अपने या अन्य की स्वार्धसिद्धी का साधन नही बनना चाहिऐ। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में साध्य है। अतएव उसका प्रयोग साधन के रूप में नहीं होना चाहिऐ। हमें अपने तथा अन्य के व्यक्तित्व का आदर करना चाहिऐ।

29.(D) काण्ट के अनुसार बुद्धि ही संकल्प का उद्गम है। अतः संकल्प वह बुद्धिमूलक तत्व है जो मनुष्य को कर्म करने के लिऐ प्रेरित करता है। उनके मतानुसार विशुद्ध कर्तव्य की चेतना पर आधारित संकल्प ही नैतिक अथवा शुभ संकल्प है। बौद्धिक शक्ति होने के कारण संकल्प इच्छा से भिन्न होते है। हमारे कर्तव्य निरपेक्ष आदेश के नियमों से संचालित होते है। ये निरपेक्ष आदेश सार्वभौमिक तथा परिणाम निरपेक्ष होते है। ये नियम मनुष्य के लिऐ बने है जिनमें मनुष्य साधन मात्र न होकर केवल साध्य के रूप मे है। उनके अनुसार दया, सहानूभुति, प्रेम आदि रचनात्मक संवेग यद्यपि प्रशंसनीय है लेकिन संवेगात्मक होने के कारण नैतिक स्तर के मूल्य नही है। परिस्थिति विशेष में इसका परिवर्तन सम्भावित है।

30.(A) बर्कले के अनुसार सत्ता अनुभव मूलक है अर्थात् सत्ता उसी की मानी जा सकती है जो अनुभव करता है या अनुभव किया जाता है। अनुभवकर्ता आत्मा है और अनुभव का विषय विज्ञान है। बर्कले के अनुसार जिसका जिसका अनुभव नही किया जा सकता उसकी सत्ता ही नही है। अन्तिम अनुभवकर्ता बर्फले ईश्वर को स्वीकार करते है।

31.(C) बर्कले के अनुसार लॉक का दर्शन जडवाद, सन्देहवाद और अनीश्वरवाद के दोषों से युक्त हो गया, क्लोडि लॉक ने जड़ पदार्थो की स्वतंत्र सत्ता मान ली है जबकि उनको विज्ञानो के अलावा जड़ तत्व को ज्ञान नही होता ळें

32.(B) ह्यूम ने बुद्धिवाद को अस्वीकार करते हुऐ कहा है कि हमारे कर्म तर्कबुद्धि द्वारा प्रेरित नही होते। अतः उसे नैतिक निर्णयों का आधार नही माना जा सकता। हमारी भावनाऐ ही हमारे कर्मो की मूल अभिप्रेरणा है। शुभ अशुभ संबधी नैतिक प्रत्ययों की उत्पत्ति तर्कबुद्धि से नही होती।

33.(B) समस्त सिदणुओं के विकास मे एकरूपता दिखाने के लिऐ लाइब्नीज ने ईश्वर द्वारा पूर्व स्थापित सामंजस्य के नियम की स्थापना की है। इस नियम के अनुसार ईश्वर ने प्रत्येक घटना के पहले से ही सामंजस्य के साथ कार्य करने का नियम बना दिया है।

34.(D) ''कोई ज्ञान जन्मजात नही है।'' उक्त कथन जॉन लाक द्वारा कहा गया है। लॉक ने अपने अनुभववाद के प्रारम्भ में जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन किया। लॉक का मानना है कि यदि ज्ञान जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन किया। लॉक का मानना है कि यदि ज्ञान जन्मजात होते तो उसका ज्ञान बालक, मूर्खो और पागलों को भी होना चाहिऐ लेकिन इन सभी की ज्ञान नही होता है।

35.(C) जॉन लॉक ने सरल विज्ञान के चार प्रकार बतलाऐ है। उन्ही में से एक प्रकार वह है जिसमें अन्तकरण के स्वसंवेदन द्वार से आत्मा में प्रवेश करे। स्मृति, विश्वास, संकल्प आदि इसी प्रकार के उदाहरण है।

36.(D) डेकार्ट ने तत्व को तीन प्रकार से स्वीकार किया है–(1) ईश्वर (2) चित् (3) अचित्। तत्व उसे कहा गया है जो अपनी स्वतन्त्र सत्ता और ज्ञान के लिऐ किसी अन्य वस्तु पर आश्रित न हो। डेकार्ट ने ईश्वर को निरपेक्ष और चित् तथा अचित् को सापेक्ष तत्व बताया है।

37.(D) द्रव्य, गुण और पर्याय–ये तीनो स्पिनोजा दर्शन के आधार हैं। द्रव्य वह है जिसकी स्वतंत्र सत्ता हो और जिसके ज्ञान के लिऐ अन्य पदार्य के ज्ञान की आवश्यकता न हो। गुण द्रव्य के स्वरूप धर्म हैं अर्थात् व धर्म जिनको बुद्धि द्रव्य का स्वरूप समझती है। पर्याय द्रव्य के परिवर्तन धर्म है।

38.(A) लाइब्नीज के अनुसार द्रव्य यह है जिसमे किया करने की शक्ति हो सत्ता और ज्ञान के स्वातंत्र्य के स्थान पर लाइब्नीज ने शक्ति सामर्थ्य को द्रव्य को स्वरूप बताया, जिसमें अपनी स्वतन्त्र शक्ति है वही द्रण्य है।

39.(C) सुकरात का कथन है कि विवेक, साहय, संयम, न्याय आदि सभी सद्गुण अंततः ज्ञान के ही रूप है, अतः उनमे कोई मौलिक भेद नही है। सुकरात के इस सिद्धान्त को सद्गुणों की एकता का सिद्धान्त कहा जाता है। इस सिद्धान्त के अनुसार सभी सद्गुण परस्पर पूरक होते है। अतः उनमे कोई विरोध संभव नही है।

40.(B) नैतिक सद्गुणों के स्वरूप तथा उनके अनुसार आचरण के सम्बन्ध में अरस्तू ने एक विशेष सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है, जिसे मध्य मार्ग को सिद्धान्त कहा जाता है। यह मनुष्य के लिऐ सन्तुलित जीवन के मार्ग की ओर संकेत करता है। इसके अनुसार प्रत्येक नैतिक सद्गुण दो विशेष अतिवादी प्रष्टिकोणों के बीच की अवस्था है।

41.(A) डेकार्ट के अनुसार स्वतः सिद्ध सत्य को प्रमाण की आवश्यकता नही होती। बल्कि इन्ही के द्वारा दूसरे सत्य और प्रमाण सत्यता प्राप्त करने है स्वतः सिद्ध सत्य के साधन निर्विकल्प, अतीन्द्रिय अनुभूति है।

42.(A) गांधीजी के विचार मं अहिंसा का आधार मनुष्य का नैतिक अथवा आध्यात्यिक बल है। उनका मत है कि विवशता और दुर्बलता के कारण हिंसा से दूर रहना अथवा अन्याय सहन करते हुऐ प्रतिरोध ने करना अहिंसा नही कायरता है। उनका कथन है कि अहिंसा के अनुसार आचरण करने के लिऐ मनुष्य को अपनी इच्छा से कष्ट सहने और अन्याय तथा अत्याचार का विरोध करते हुऐ भी अत्याचारी के प्रति किसी प्रकार की दुर्भावना न रखने का अपने आप में नैतिक तथा आध्यात्यिक बल उत्पन्न करना चाहिऐ।

43.(C) प्लेटो के विचार के केवल सद्गुणों के प्रत्ययों का ही नही अपितु सभी भौतिक वस्तुओं के प्रत्ययों का भी उन वस्तुओं से भिन्न और स्वतन्त्र अस्तित्व है। इस प्रकार प्लेटो ने भौतिक तथा मानसिक जगत् से भिन्न एक ऐसे जगत की कल्पना की है जिसे उन्होने प्रत्ययों का जगत कहा है।

यह प्रत्ययो का जगत् ही सत्य और वास्तविक है। भौतिक तथा मानसिक जगत् इसकी छाया मात्र होने के कारण असत्य और अवास्तविक है। सभी वस्तुऐ और मानसिक कियाऐ प्रत्ययों की केवल अपूर्ण प्रतिकृतियाँ है। अतः उनकी स्वतंत्र सत्ता नही है।

44.(B) क्योंकि सत्य व अहिंसा को मनुष्य के लिए महात्मा गाँधी ने आवश्यक नैतिक नियम बताया। उन्होनें सत्य को अधिक महत्त्व दिया तथा हमेशा वे इसके द्वारा आचरण करना आवश्यक मानते थे। अतः उन्होने अहिंसा को साधन तथा सत्य को साध्य के रूप में स्वीकार किया।

45.(A) क्योंकि कृष्ण चन्द्र आनुभविक चेतना को 'साब्दिक विचार' या 'तथ्यात्मक विचार' कहते हैं। इस चेतना का संबंध 'तथ्यों' से होता है। इसी कारण इस चेतना का संबंध 'विज्ञान' से है। इसके विपरीत अन्य तीनों स्तर की चेतना विषयनिष्ठ, आत्मगत, परात्य चेतना का संबंध तथ्यों से नहीं होता बल्कि शुद्ध विचार से होता है।

अतः कृष्ण चन्द्र के अनुसार इन तीनों स्तर की चेतनाओं का संबंध 'दर्शन' से है।

46.(C) क्योंकि हेगेल ने शेलिंग के विश्व-दृष्टिकोण को एक बौद्धिक आधार प्रदान करने का प्रयास किया। इसलिए वह फिक्टे और शेलिंग के इस विचार से सहमत है कि यथार्थता एक जीवित विकासात्मक क्रम है।

47.(D) तार्किक अणुवाद सिद्धान्त प्रतिपादक बर्टेड रसेल हैं। वे जिन अणुओं तक पहुँचे व भौतिक अणु (Physical Atoms) नहीं है बल्कि तार्किक (Logic) अणु है तथा इन अणुओं तक पहुँचने की जो प्रक्रिया है, वह कोई भौतिक विमाजन प्रक्रिया (Process of Physical Analysis) नहीं है बल्कि तार्किक विश्लेषण (Logical Analgsis) है। इस कारण उनका उनका अणुवाद तार्किक है।

48.(A) क्योंकि विहगेन्सटीन के अनुसार जिस प्रकार की समस्याएँ या उलझने दर्शन के सामने उपस्थित होती है, उन्हें सुलझाने के लिए दर्शन को भाषीय खेल खेलना पड़ता है। जिससे हमारी भ्रान्ति दूर होती है व हमें यथार्थ का अनुभव होता है।

49.(C) पीयर्स के अनुसार अर्थ निरूपण का अर्थ यथासंभव उस अर्थ बोध को स्पष्ट करना है। ऐसे ही अनुमानित फलों के विचार के चार स्तर हैं–

1. सोपाधिकता का स्तर
2. व्यवहार का स्तर
3. पूर्वसूचक स्तर
4. फलों के अनुभव का स्तर

50.(B) 'मशीन में स्थित प्रेत' सिद्धान्त के जनम गिलवर्ट राइल है क्योंकि मन व शरीर की व्याख्या करते हुए उन्होनें कहा कि भौतिक ढाँचे में मानसिक तत्व को बिठाना ऐसा है जैसे मशीन में स्थित प्रेत।

PAPER – III

1.(A) क्यौंकि नागार्जुन कहते है कि पारमार्थिक सत्ता हमारे लिए कल्पनातीत या अवर्णनीय है इसका केवल नकारात्मक वर्णन ही संभव है। यह सामान्य लोगों के लिए अज्ञात है।

2.(C) क्योंकि द्रव्यों के संयोग से ये जगत बना है और द्रव्यों के धर्म अपरिवर्तशील तथा परिवर्तनशील दोनो होते है इसलिए यह संसार नित्य है और अनित्य भी। अतः जैनो के मतानुसार यह जगत नित्य तथा अनित्य दोनों है।

3.(D) सामान्य के दो भेद होते है।

1. परसामान्य – अधिक देश अर्थात स्थानों में रहने वाला परसामान्य कहलाता है। इसे ही पर सत्ता कहते है।

2. अपरसामान्य – अल्प देश मे रहने वाला अपरसामान्य या अपरसत्ता कहलाता है।

4.(D) यह एक प्रकार का निरन्तर परिवर्तन है जो सत्ता मे होता रहता है। इसमें किसी शक्य या बीजभूत स्थिति का वास्तविक रूप में आना है जो परिवर्तन द्वारा ही संभव होता है।यह जगत स्थिर नहीं है अपितु अविरल गतिशील है।

5.(B) ग्रीक दर्शन में पार्मेनाइडिज को विज्ञानवाद का संस्थापक माना जाता है। वह सत् और चित् को एक ही कहता है । सतृ विज्ञानरूप है। वह जड़ नही है क्यांकि जड़ता असत् की घोतक है। सत्ता में निरन्तरता होते हुए भी वह गतिहीन है क्योंकि जगत् में कोई रिक्त स्थान ही नहीं है।

6.(A) यह वस्तु का भौतिक कारण होता है यह वह अव्यवस्थित , अनिश्चित विषय सामग्री है जिसमें से वस्तु का निर्माण होता है जैसे – रूपहीन मिट्टी किसी घर के निर्माण में अपादान कारण है मिट्टी घर का भौतिक कारण है।

7.(B) देकार्त के अनुसार हम विश्व की अन्य सभी वस्तुओं में संन्देह कर सकते है परन्तु आत्मा के विषय में सन्देह नहीं कर सकते क्योंकि, सन्देह स्वयं आत्मा (या सन्देह कर्ता) के अस्तित्व को प्रमाणित करता है। उनकी प्रसिद्ध उक्ति है Cogitoergo sum" (चिन्तये अतोअस्मि) अर्थात " मैं विचार करता हू अतः मैं हूँ।

8.(B) यथार्थ ज्ञान को प्रभा कहते है । अर्थात अनधिगत, अबाधित अर्थ का विषय कराने वाले पौरूषिक ज्ञान को ' प्रभा कहा जाता है। जब आत्मा के चैतन्य से बुद्धि प्रतिबिम्बित होती है तब यथार्थ ज्ञान का उदय होता है।

9.(C) विपरितख्यातिवाद का प्रतिपादन कुमारिल (मीमांराक) ने किया है। यह मत भाट मीमांसकों का है।उनका मत है कि किसी किसी समय मिक्या विषय भी प्रत्यक्ष आभासित होने लगता है। जब हम रस्सी में सर्प का प्रत्यक्ष करते है और कहते है कि'' यह सर्प है '' तो यहॉ उद्देश्य और विधेय दोनो यर्थात है, जो रस्सी में वर्तमान है सॉप की कोटी में ले जाती है वस्तुतः सत्ता दोनों की है। भ्रम इस बात को लेकर हो जाता है कि हम दो यथार्थ किन्तु पृथक वस्तुओं में उद्देश्य – विधेय का सम्बन्ध स्थापित कर देते है। भ्रम इसी सम्बन्ध या संसर्ग को लेकर होता है न कि विषयों को लेकर जो वास्तविक पदार्थ है । ऐसे भ्रम के कारण लोग विपरित आचरण करते है। इसे विपरित ख्यातिवाद इसीलिए कहा जाता है कि इसके कारण अकार्य में कार्यता का भान होता है। यहॉ पर कुमारिल भट्ट का यह मत नैयायिकों से काफी साम्य रखता है।

10.(A) क्योंकि परतः प्रामाण्य में अनवस्था दोष आ जाएगा अर्थात ' क' के प्रामाण्य के लिए 'ख' का सहारा लेना पड़ेगा 'ख' के प्रामाण्य के लिए 'ग' का आश्रय लेना पड़ेगा और इसी भॉति आश्रय लेते चले जाएगें जिसका कोई अन्त नही होगां अतः मीमांसक न्याय वैशेषिक मत को नहीं मानते।

11.(C) क्योंकि ज्ञान मीमांसा दर्शन की वह शाखा है जिसमें ज्ञान के स्वरूप उसकी उत्पत्ति,उसकी सीमा प्रणालियों, सत्यता, कसौटियों उसके प्रामाण्य तथा ज्ञाता एवं ज्ञेय के संबंध मे विचार किया जाता है।

12.(D) लॉक के अनुसार प्रत्ययों के बीच संगति या असंगति या विरोधिता के संबंध के प्रत्यक्ष को ज्ञान कहते हैं क्योंकि ज्ञान प्राप्ति में मन निष्क्रिय न रहकर सक्रिय रहता है क्योंकि स्वयं मन को देखना पड़ता है कि प्रत्ययों के बीच संगति है या नहीं । दूसरी बात है कि ज्ञान को संबंधात्मक कहा गया है क्योंकि प्रत्ययों के बीच की संगति या असंगति के संबंध पर ज्ञान निर्भर करता है।

13.(A) क्योंकि अनिवार्य संबंध तथा कारण कार्य संबंध का ज्ञान अनुभव द्वारा प्राप्त नहीं होता । इस प्रकार हयूम अनिवार्य संबंध के बारे में सन्देह प्रकट करते है।

14.(C) इन्द्रियजन्य ज्ञान को प्रत्यक्ष कहते है। न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष उस अंसदिग्ध अनुभव को कहते है जो इन्दिय संयोग से उत्पन्न होता हैं जैसे – मेरे हाथ में जो कलम है उसका साक्षात ज्ञान मेरी आंखो

तथा कलम के सम्पर्क से हो रहा है। यह असंदिग्ध है कि वस्तु कलम है इस प्रकार वस्तु (कलम) के साथ इन्द्रिय (आंख) से सम्पर्क से जो अनुभव होता है उसे ' प्रत्यक्ष कहते है।

15.(A) बौद्ध दर्शन निर्विकल्पक प्रत्यक्ष को ही मानता है क्योंकि प्रतयेक वस्तु क्षणिक है और प्रथम क्षण में केवल निर्विकल्पक अर्थात वस्तुमान का ज्ञान होता है क्यांकि सविकल्पक क्षण में तो वस्तु का नाश हो जाता है।

16.(D) अनुमान में वास्तविक दोष को ही हेत्वाभास कहते है। हेत्वाभास का शाब्दिक अर्थ है हेतु का आभास होना अर्थात जो वास्तविक हेतु नहीं है उसका वास्तविक हेतु के समान प्रतीत होना। अनुमान में होने वाले दोष का एक मात्र कारण गलत हेतु या हेत्वाभास है।

17.(B) क्योंकि अनुमान स्वयं व्याप्ति पर निर्भर है। अतः व्याप्ति की स्थापना के लिए जब हम उसी अनुमान का प्रयोग करते है। जिसकी स्वयं की सत्यता कसौटि व्याप्ति है तो यहॉ पर अन्योन्याश्रय दोष उत्पन्न होता है।

18.(B) क्येंकि किसके लिए क्या कर्त्तव्य है , क्या अकर्तव्य है,क्या ग्राह्य है क्या अग्राह्य है, क्या ज्ञातव्य है,क्या अज्ञातव्य है क्या भोग्य है क्या परिहार्य है, इन सभी बातों का निर्देश वेदों में है।इसी को वेद का अनुशासन तथा ऋतु का सिद्धान्त कहते है। इस ऋतु का संकेत यद्यपि ऋग्वेद में एक वैज्ञानिक नियम के रूप में हुआ है, क्योंकि सूर्य ,रात, दिन, प्रातः सन्ध्या और ऋतुओं के गमनागमन का नियंत्रण उसी के द्वारा होता है।

19.(D) क्योंकि चार्वाक के अतिरिक्त सभी भारतीय दर्शन एक मत ही स्वीकार करते है कि दुःखो की नितान्त निवृति और जन्म जन्मान्तर चक्र से मुक्ति मोझ द्वारा ही संभव है।

20.(D) गीता में निष्काम भाव से कर्म करने का उपदेश दिया गया है तथा इस निष्काम भाव की प्राप्ति के लिए स्वधर्म को आवश्यक माना है। ये स्वधर्म – सहजकर्म, स्वकर्म, नियतकर्म, स्वभावजकर्म , स्वभावनियत कर्म इत्यादि। गीता दर्शन में प्रकृति के अनुसार शास्त्रविधि से नियत किए हुए जो वर्णाश्रय के धर्म और सामान्य धर्मस्वरूप स्वाभाविक कर्म है उनको ही स्वधर्म कहा गया है।

21.(D) शुभ को English में Good कहते है शुभ वह है जो किसी उद्धेश्य की पूर्ति मे सहायक होता है । शुभ के कई भेद हो सकते है। जो वस्तुऍ शारीरिक उद्देश्य की पूर्ति में सहायक होती है । उन्हें शारीरिक शुभ, जो आर्थिक आवश्यकता ओं की पूर्ति करती है उन्हें आर्थिक शुभ, सामाजिक

आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले को सामाजिक शुभ, नैतिक उद्देश्य की पूर्ति करने वाल को नैतिक शुभ कहते है।

22.(C) क्योंकि जिस प्रकार रूपलोकध्यान को पारकर अरूपध्यान में पहुँचने पर समाधि विशद एवं विपुल होती है उसी प्रकार भाव में भी तदनुरूप शोधन तथा उत्कृष्टता आ जाती हैं चित्त की मैत्री , करूणा, मुदिता और उपेक्षा चार उदान्त एवं सर्वोत्कृष्ट अवस्थाओं को अपरिमित या ब्रह्मविचार की संज्ञा दी गई है।

23.(B) '' तुम्हे भेड़ चुराने के लिए दण्ड नहीं दिया गया है बल्कि दण्ड इसलिए दिया गया है कि भेड़ फिर न चुरायी जा सकें '' यह निवारणार्थ दण्ड सिद्धान्त है।

24.(B) अपराध , अपने मूल स्वरूप में एक विकृतिजन्य घटना है जो विक्षिप्तता के निकट है तथा उसकी समुचित चिकित्सा रोग मुक्ति है न कि दण्ड विधान – यह सुधारक दण्ड का सिद्धान्त है।

25.(C) मिल मनुष्य की स्वाभाविक परोपकार वृत्ति तथा सामाजिक भावना को ही नैतिक सुखवाद का मूलाधार मानते है। क्योंकि इनके कारण वह अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख से प्ररित होकर कार्य करता है।

26.(B) काण्ट नैतिक नियम को मनुष्य की किसी बाह्य शक्ति द्वारा आरोपित न मानकर केवल आत्मप्ररित मानते है । वह संकल्प की स्वतंत्रता को स्वीकार करते हुए कहते है कि मनुष्य नैतिक नियम का पालन किसी बाह्य शक्ति से प्रेरित अथवा बाह्य होकर नही अपितु स्वयं अपने संकल्प से प्ररित होकर ही करता है । मनुष्य कोई भी कार्य करने के लिए स्वतंत्र है।

27.(D) कर्म के उपयोगितावादी सिद्धान्त के अनुसार जिस कर्म के द्वारा जितना अधिक सुख प्राप्त हो सके वह कर्म उतना ही अधिक सही है। जिस कर्म में सुख की मात्रा जितनी कम एवं दुःख की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक है वह कर्म अपेक्षात्मक रूप से कम शुभ है अतः इस सिद्धान्त में मनुष्य को केवल सुख प्राप्ति के उद्धेश्यो से ही अपने कर्म का सम्पादन करना चाहिएं क्योंकि जो कर्म जितनी अधिक मात्रा में सुख कि प्राप्ति करता है वह नैतिक दृष्टि से उतना ही अधिक शुभ होता है।

28.(A) निस्संज्ञानवादियों के अनुसार मूल्य निर्णय की अभिव्यक्ति प्रतिज्ञप्ति नही है क्योंकि मूल्य निर्णय किसी भाव अथवा अभिवृत्ति की अभिव्यक्ति मात्र होता है

29.(D) उपयोगितावाद सिद्धान्त अधिकतम सुख को ही समस्त मानवीय कर्मों के शुभत्व का सिद्धान्त मानता है यह सिद्धान्त मनुष्य के अपने सुख या हित के स्थान को ही महत्व देता है उपयोगितावाद में नैतिक निर्णयों को ही औचित्य स्थान दिया गया है।

30.(D) यह तो संभव नहीं है कि हम मनुष्य के सभी सम्भव अधिकारो की एक पूरी सूची यहँ प्रस्तुत कर दें, क्यांकि ऐसे अधिकार परिस्थितियों की असंख्यता के कारण असंख्य है। मनुष्य के कुछ मौलिक अधिकारों का ही वर्णन कर सकते है जैसे – जीवन सुरक्षा का अधिकार मनुष्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार है। प्रत्येक मनुष्य की अपनी विशिष्ट वैयक्तिकता होती है उसे समाज के नियमों के भीतर स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त होता है। आर्थिक अधिकार जैसे सम्पत्ति , रोजगार आदि से संबंधित यह अधिकार भी मौलिक अधिकार ही हैं मनुष्य को धार्मिक अधिकार भी मौलिक अधिकारों कि तरह दिय गए है, बशर्ते उनसे किसी दूसरे व्यक्ति कि भावनाओं , धर्म को ठेस न पहुंचे ।

31.(C) जिस प्रकार किसी भी पदार्थ के नियम होते है , उसी प्रकार शुद्ध विचार के भी नियम हैं एसे तीन नियम माने गये है, पर लाइब्निज ने उनमें एक और जोड़ दिया है। अतः यह नियम चार है

1. तादात्म्य नियम
2. व्याघात नियम
3. भावात्मक तर्कवाक्य
4. निषेधात्मक तर्कवाक्य

32.(A) तर्क वाक्यां में दो पदों के बीच निश्चित संबंध के बारे में अभिकथन किया जाता है। यदि किसी तर्कवाक्य में केवल इस प्रकार का एक ही अभिकथन होता है, तब उसे सरल तर्कवाक्य कहा जाता है।

33.(C) उपरोक्त कथन में वैध अनुमान है –

1. कोई एक दार्शनिक है
2. यदि महात्मा गांधी दार्शनिक नहीं है तो प्रत्येक दार्शनिक नहीं है।

34.(B) किसी भी निगमनात्मक युक्ति की वैधता उसके आधार वाक्यों एवं निष्कर्ष वाकय से निर्धारित होती है क्यांकि अवैधता के आधार पर वैधता की सिद्धि होती है अतः वैधता का निष्कर्ष आधारिकाओं से अनुलग्निक होता है

35.(D) तार्किक वाक्य के तीन अंग है –

1. उद्देश्य – जिसके बारे में कुछ कहा जाता है

2. विधेय – जो उद्देश्यों के बारे में कहा जाता है वह विधेय है

3. संयोजक – उद्देश्य व विधेय में संबंध स्थापित करने वाला शब्द संयोजक कहा जाता है।

36.(B) तर्कवाक्य की वैधता के संबंध में विकल्प B सत्य है क्यांकि यदि आधार वाक्य सत्य है तो वैध वाक्य में निष्कर्ष अवश्य ही सत्य होगा। यदि ऐसा होता अर्थात असत्य तर्क वाक्य हो जाएगां अवैध तर्क वाक्य में दोनों आधार वाक्य सत्य तथा निष्कर्ष असत्य होने की अनिवार्य शर्त है

37.(D) क्योंकि किसी भी एक धर्म को जानने के लिए अन्य धर्मो को भी जानना पडता है। मानव को स्वयं अपने को समझने की भी जिज्ञासा होती हैं अतः अपने को ही जानने के लिए विभिन्न धर्मो का अध्ययन करना पड़ता है ताकि मानव अपने को जानकर उपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें

धर्मो के तुलनात्मक अध्ययन से धर्मो में आपसी दूरी कम होगी तथा सद्भावना बढ़ेगी।

38.(A) क्योंकि आर्यो ने अपने धर्म में वेदो को प्राचीनतम अपौरूषेय धर्मशास्त्र के रूप में स्वीकारा। वेदों को मानने के कारण आर्य धर्म में वर्ण विचार का भी प्रचलन माना जाता है।

39.(B) क्योंकि इसी आश्रम में रहकर भी वह वानप्रस्थ और सन्यासियों की भी सेवा कर सकता है। इसी तरह से सभी आश्रम अन्त में गृहस्थ आश्रम पर ही निर्भर रहते हैं।

40.(C) क्योकि इसमें स्वर्ग प्राप्ति को धर्म का अन्तिम लक्ष्य नहीं माना है तथा यहाँ उपासना के स्थान पर समाधि को प्रधानता दी गई हैं अतः बौद्व धर्म को अवैदिक कहा जाता है।

41.(B) क्योंकि बौद्ध धर्म में समाधि के द्वारा ही चारों आर्यसत्यों को सच्चा ज्ञान प्राप्त किया जाता हैं इसलिए समाधि विशुद्धिमार्ग का सबसे मुख्य अंग है। इसके तीन अंग है 1. आठ ध्यान 2. चार अपरिमित जिनमें संवेगों का शोधन होता है 3. सिद्धियॉ

42.(A) प्रत्येक धर्म में मूल्यों के संरक्षण पर बल दिया जाता हैं मूल्य तभी सुरक्षित रह सकते है जब मानवीय व्यक्तित्व का अस्तित्व हो। अतः मूल्यों को सुरक्षित रखने के लिए मानवीय व्यक्तित्व को अमर होना नितान्त आवश्यक है।

43.(C) क्योंकि विटगेन्सटीन के अनुसार जो अकथनीय है वह प्रदर्शनीय अवश्य है क्योंकि भाषा के प्रयोग में ही कुछ ऐसा निर्देश मिल जाता है जा अकथनीय है वह झलक जाता हैं वह कहते है कि '' भाषा जगत का दर्पण है '' इस संबंध को दिखाया जा प्रदर्शित किया जा सकता है परन्तु यह संबंध क्या है इसे भाषा नहीं कह सकती

44.(C) क्वाइन के अनुसार उद्देश्य – विधेय के आधार पर निर्णय दो प्रकार के होते है –

1- संश्लेषणात्मक – इसमें विधेय उद्देश्य में निहित नहीं रहता

2. विश्लेषणात्मक – इसमें विधेय उद्देश्य में निहित होता है

45.(B) फिनामिनन शब्द यूनानी भाषा से लिया गया है जिसका अर्थ प्रकट दर्शन से हैं समाज विज्ञान कोश में इसकी परिभाषा में लिखा है कि यह दर्शनशास्त्र की एक विधि है जिसकी शुरूआत व्यक्ति से होती है और ब्यक्ति को स्वयं के अनुभवों से जो कुछ प्राप्त होता है उसे इसमें सम्मिलित किया जाता हैं

46.(A) यह सिद्धान्त केवल 'मैं' (ज्ञाता) का अस्तित्व मानने वाला हैं अन्य व्यक्तियों या ज्ञाताओं और बाह्यवस्तुओं का स्वतंत्र अस्तित्व न मानकर उन्हे 'मैं'' के प्रत्यक्ष मात्र मानने में इसका विश्वास है।

47.(C) फिनोमिनालॉजिकल समाजशास्त्र इन्द्रियों द्वारा वस्तुओ जैसा देखता है वैसा ही उसकी निश्चित व्याख्या करता है। प्रायः ऐसा होता है कि वस्तुओं के बारें मे एक व्यक्ति को जैसा प्रत्यक्ष ज्ञान है वैसा ही कुछ दूसरे लोगों का भी ज्ञान होता है जब सभी लोगों के प्रत्यक्ष ज्ञान दिन प्रतिदिन की दुनिया में देखने को मिलता है, उन्हें हम सम्मिलित कर लेते है। यही हमारा समाज या दुनिया के बारे मे सम्मिलित या समग्र ज्ञान है।

48.(D) बल्लभ मत में जीव ब्रह्म का अंशरूप परिणाम हैं ब्रह्म को जब स्वयं रमण करने की इच्छा होती है तब वह आनन्दादि गुणों को तिरोहित कर स्वयं अनेक रूपों मे जीव रूप धारण कर लेता हैं ब्रह्म जीव से अभिन्न और अपुरूष है।

49.(C) सत्कार्यवाद के सिद्धान्त के अनुसार जगत् सत् है । उसके अनुसार जगत की उत्पत्ति और विनाश नहीं बल्कि आर्विभाव और तिरोभाव होता है।

50.(C)

गीता	–	कर्मयोग
त्रिपिटक	–	बौद्धधर्म
त्रिरत्न	–	जैन धर्म
बाइबिल	–	ईसाई धर्म

51.(A) क्योंकि सांख्य के अनुसार जब पुरूष अपने शुद्ध चैतन्य स्वरूप में स्थित हो जाता है तथा विवेक ख्याति द्वारा पुरूष प्रकृति भेद जनित ज्ञान उत्पन्न हो जाता है तो उस अवस्था को मोक्ष कहा जाता है।

दु:खत्रय की पूर्ण निवृत्ति हो जाती है और पुरूष असंग, उदसीन साक्षी तथा सुख – दु:ख विहीन अवस्था में स्थित हो जाता है। यही कैवल्य की अवस्था है।

52.(D) मीमांसा दर्शन में मोझ को नि : श्रेयस कहा गया है नि : श्रेयस का अर्थ है जीवन का कल्याण कुमारिल के अनुसार ' प्रपंच संबंध विलय' ही मोक्ष है और प्रभाकर के अनुसार धर्म और अधर्म के नि:शेष विनाश के पश्चात् शरीर का आत्यान्तिक नाश ही मोक्ष या नि : श्रेपस हे।

53.(D) ज्ञान की तीन साधन है–

1. श्रवण – मोक्ष इच्छुक व्यक्ति का गुरू द्वारा दिए गए उपदेशों को श्रद्धापूर्वक सुनना श्रवण हैं

2. मनन – गुरू के उपदेशो पर चिन्तन और विचार करना मनन हैं

3. निदिध्यासन – प्राप्त ज्ञान को योगाभ्यास द्वारा पुष्ट बनाने की दिशा में प्रयत्नशील रहना निदिध्यासन है।

54.(C) क्योंकि विज्ञान अपने क्षेत्र विशेष की घटनाओं पर विचार करता है। विज्ञानों के लिए भाषा और विचार गौण है और धटना विशेष ही मुख्य है।

55.(B) सत्य के अर्थ क्रियावादी सिद्धान्त के अनुसार एक प्रतिज्ञप्ति तभी सत्य हो सकती है जब उसकी परिणती सफलता हो।

56.(C) एक अकारिक निगमनात्मक तंत्र के संगति के पश्च निकष का सही कथन है , यदि उसमें एक ऐसा फार्मुला है जो तंत्र के अत्तर्गत प्रपेय के रूप में सिद्ध नहीं किया जा सकता ।

57.(D) एक प्रतिज्ञप्ति का अर्थ उसके सत्यापन की विधि में निहित है यह मत तार्किक प्रत्यक्षवाद का है।

58.(D) गांधी जी सत्याग्रह के चौदह रूप मानते है तथापि इन चौदह रूपों मे से गांधीजी मुख्य रूप से निम्न पॉच रूपों को महत्व देते है

1. असहयोग – गांधी जी के अनुसार आर्थिक , सामाजिक आदि क्षेत्रों में बहिष्कार करना असहयोग है।

2. नागरिक अवज्ञा – यह कानून की अवेहलना हैं इससे अत्याचारी कानून समाप्त होता है

3. हड़ताल – यह अन्याय के विरूद्ध संगठित होकर सरकारी कार्यो को बन्द करना है

4. उपवास – सत्याग्रही द्वारा अपनी आत्मशुद्धि कर आत्मबल को बढ़ाना उपवास है।

5. हिजरत – सत्याग्राही द्वारा अपने भूल निवास स्थान का त्याग कर दूसरे स्थान पर रहना हिजरत कहलाता है।

59.(A) गांधीजी के अनुसार स्वराज का अर्थ है '' अपना राज्य अपना शासन '' गॉधीजी के अनुसार स्वराज आदर्श राज्य की अनिर्वाय शर्त हैं यह राजनीतिक स्वतंत्रता है। जिसका अर्थ है – प्रत्येक व्यक्ति शासन करने के लिए स्वतंत्र, अर्थात सत्ता कुछ व्यक्तियों के हाथों में केन्द्रित न हो , सबके हाथ में हो । प्रत्येक व्यक्ति शासन का अनिवार्य अंग हों

60.(B) सुसंगति सिद्धान्त में सत्यता का प्रतिमान संसक्तता या सामंजस्य है। ऐसा सामंजस्य जो किसी अर्थयुक्त तंत्र के विभिन्न अंगों या खण्डों के पारस्परिक संबंधो में व्यक्त होता है। संसक्तता का सिद्धान्त कहलाता है।

61.(D) सन्त ऑगस्टीन के अनुसार ईश्वर और मनुष्य में तादात्मय संबंध होता है। ईश्वर प्रत्येक वस्तु का मूल कारण होता है तथा जगत् ईश्वर की अनुकम्पा की अभिव्यक्ति होती है सृष्टि की रचना ईश्वर की स्वातंत्र्य संकल्प का परिणाम हे, न कि किसी दबाव के कारण । ईश्वर की रचना प्राणियों की सुविधा के लिए की गई है। अत : प्रत्येक सत् वस्तु शुभ है या शुभत्व की अभिव्यक्ति है। अशुभ भी शुभ का अभाव ही होता है।

62.(A) विवरणात्मक सिद्धान्तों के अनुसार नैतिक निर्णय तथ्यात्मक निर्णयों की भॉति किसी विषय वस्तु अथवा गुण का वर्णन करते है। अतः इन दोनो प्रकार के निर्णयों में कोई मौलिक अन्तर नही हो सकता। ध्यातव्य है कि प्रकृतिवाद , संज्ञानवाद एक ही शाखा से संबंधित होते है।

63.(C) क्योंकि आध्यत्मिक शक्ति से सम्पन्न व्यक्ति ही इसका प्रयोग कर सकता है। सत्याग्रह एक आध्यात्मिक तरीका है जिसके द्वारा अंतरात्मा में उपस्थित सत्य को अनावृत किया जाता है इसके द्वारा अत्याचारी व्यक्ति के हृदय में परिवर्तन किया जाता हैं अत : सत्याग्रह एक आध्यात्मिक शक्ति है।

64.(B) शंकर के मत में जगत का उपादान कारण ईश्वर है। क्येंकि उसके अनुसार इस प्रपंच रूप जगत की उत्पत्ति माया द्वारा होती है और माया की उपाधि से युक्त चैतन्य या ब्रह्रा (ईश्वर) ही जगत का उपादान कारण है

65.(C) क्योंकि यह सदसद् विलक्षण है अर्थात न तो यह ब्रह्रा के समान सत् है और न ही आकाश कुसुम की तरह असत् इसलिए इसे अनिर्वचयनीय कहा गया है

66.(A) क्योंकि मोक्ष किसी अप्राप्य की प्राप्ति नहीं, मोक्ष नित्य है। ज्ञान केवल अज्ञान का नाश करता हैं मोक्ष को ज्ञान का कार्य नहीं कहा जा सकता क्यांकि आत्मा नित्य बुद्ध मुक्त है, उसका अपने इस स्वरूप को न जानना ही अज्ञान है और ज्ञान उसके इसी अज्ञान का निराकरण करता है, मोझ को उत्पन्न नहीं करता। क्योंकि अविधा की निवृति को मोझ कहा जाता है।

67.(B) शंकर द्वारा सत्ता के तीन स्तर मानने का आधार यह है कि वे जीव के प्रत्येक अनुभव को एक विशेष दृष्टि से सत्य सिद्ध करना चाहते थे।

1. पारमार्थिक सत्ता
2. व्यवहारिक सत्ता
3. प्रातिमासिक सत्ता

68.(D) रामानुज के अनुसार मोक्ष प्राप्ति का सर्वोच्च साधन भक्ति है , क्योंकि ईश्वर की कृपा से ही मोक्ष प्राप्त होता है ओर ईश्वरीय कृपा प्राप्ति का साधन भक्ति है।

69.(C) तत् त्वम् असि ' के बारे मं शंकर का मत है कि आत्मा ब्रह्रा के समरूप है। साधक जब साधन चतुष्टय से युक्त हो जाता है तब वह वेदान्त की शिक्षा लेने के लिए गुरू जिन्हें ब्रह्रा ज्ञान की अनुभूति हो गई होती है के चरणों मे उपथित होता है गुरू के साथ साधक श्रवण, मनन, निदिध्यासन जैसी प्रणालीयों से गुजराता है जिसके फलस्वरूप उसमे ंपूर्व संचित संस्कार नष्ट हो जाते है तथा उसे बह्रा की सत्यता में अट्ट विश्वास हो जाता है। उसके उपरान्त साधक को गुरू तत् असि अर्थात तू ही ब्रह्रा है कि दीक्षा देते है।

70.(B)

(a) अद्धेत	(i) शिंकराचार्य
(b) विशिष्टाद्धैत	(ii) रामानुजाचार्य
(c) शुद्धाद्धैत	(iii) बल्लाभाचार्य
(d) द्वैताद्वैतवार	(iv) निम्बार्काचार्य

71.(A) गॉधी जी ने साधन व साध्य दोनों के महत्ता प्रदान की। वे साध्य व साधन दोनो की पवित्रता को समान दृष्टि से देखा करते थे। उनके अनुसार अच्छे साध्य के लिए अच्छे साधन की आवश्यकता पड़ती है।

72.(D) गांधी जी अहिंसा को कायरों का नहीं बल्कि वीरो का आध्यात्मिक अस्त्र स्वीकार करते है, जिसमें सत्य और निर्भिकता का सन्निवेश होता है

73.(A) अख्यातिवाद सिद्धान्त प्रभाकर का है उन्होने रामानुज की तरह भ्रम को आंशिक ज्ञान के रूप में स्वीकार किया है। उनके अनुसार सभी प्रकार का ज्ञान यथार्थ होता है, किन्तु सभी पूर्ण नहीं हो सकते है

74.(A) रामानुज पंजीकरण के अनुसार भ्रम को मिथ्या ज्ञान न मानकर अंशत : सत्य के रूप में स्वीकार किया है। उन्होने भ्रम विषयक सिद्धानत सत्ख्यातिवाद का प्रतिपादन किया। –

75.(B) नैतिक आचार संहिता का स्वरूप जानने के लिए यह उचित होगा कि हम अपना कार्य यह मानकर शुरू करें कि समाज में आचरण के तीन स्तर होते है। जिनमें फर्क करना आवश्यक है –

1. मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वभाव से निर्मित होने वाला आचरण
2. समाज के नियमों से नियंत्रित आचरण
3. व्यक्तिगत विवेक बुद्धि से नियंत्रित आचरण विदेशी विनिमय का शीघ्र हस्तान्तरण विदेशी बैंको द्वारा तार द्वारा इसी दर पर किया जाता है।

VPM CLASSES